



# भारत का राजपत्र

# The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-14022025-261009  
CG-DL-E-14022025-261009

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 730]

नई दिल्ली, बुधवार, फरवरी 12, 2025/माघ 23, 1946

No. 730]

NEW DELHI, WEDNESDAY, FEBRUARY 12, 2025/MAGHA 23, 1946

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 फरवरी, 2025

**का.आ. 734(अ).**—निम्नलिखित प्रारूप अधिसूचना, जिसे केन्द्रीय सरकार पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) तथा उपधारा (3) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जारी करने का प्रस्ताव करती है, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के अधीन अपेक्षित रूप से, उससे प्रभावित होने वाली जनता की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है; और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप अधिसूचना उस तारीख से साठ दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात विचार में ली जाएगी, जिसको इस अधिसूचना वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं;

मसौदा अधिसूचना में निहित प्रस्तावों पर कोई आपत्ति या सुन्नाव देने में रुचि रखने वाला कोई भी व्यक्ति, निर्धारित अवधि के भीतर केन्द्रीय सरकार के विचारार्थ उसे लिखित रूप में सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोरवाग रोड, अलीगंज, नई दिल्ली-110003 को भेज सकता है अथवा मंत्रालय के ई-मेल पते esz-mef@nic.in पर भेज सकता है।

## प्रारूप अधिसूचना

जबकि, रूपी भाभा वन्यजीव अभ्यारण्य 503 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले के निचार उप-विभाग में स्थित है। यह ऊपरी सतलुज घाटी में  $31^{\circ} 35'$  और  $31^{\circ} 45'$  उत्तरी अक्षांशों और  $77^{\circ} 49'$  और  $78^{\circ} 07'$  पूर्वी देशांतरों के बीच फैला हुआ है। किन्नौर जिले का मुख्यालय रेकॉन्ना पियो (कल्पा) अभ्यारण्य के पूर्वी हिस्से में लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

और जबकि, रूपी भाभा वन्यजीव अभयारण्य पश्चिम और उत्तर में धौलाधार पर्वतमाला के श्रीखंड पर्वतों और दक्षिण में सतलुज नदी के बीच स्थित है। इस अभयारण्य को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा अधिसूचना संघ्या एफएफई-बीएफ(6)॥/2005-11 दिनांक 07.06.2013 के तहत वन्यजीव अभयारण्य का दर्जा दिया गया था।

और जबकि, रूपी-भाभा वन्यजीव अभयारण्य को मध्य हिमालय में स्थित होने का विशेषाधिकार प्राप्त है और यह जोन 2 वी (पश्चिमी हिमालय) जीवन संबंधी क्षेत्र की पुष्टि करता है। रूपी-भाभा वन्यजीव अभयारण्य ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क और पिन वैली नेशनल पार्क के साथ मिलकर संरक्षित क्षेत्र नेटवर्क का एक सतत और कॉम्पैक्ट ब्लॉक बनाता है और इसे पश्चिमी हिमालयी बायोस्फीयर रिजर्व में गठित किया जाना उपयुक्त है।

और जबकि, अभयारण्य अपने विशाल अल्पाइन चरागाहों और धास के मैदानों के लिए जाना जाता है। सामान्य धारणा घने देवदार, केल और चौड़ी पत्ती वाले जंगलों (2000 मीटर और उससे अधिक) की है, उच्चतर स्तर (2800 मीटर और उससे अधिक) पर बांस के साथ देवदार-स्पूस संयोजन हावी है। अल्पाइन क्षेत्र 3500 मीटर की ऊँचाई से शुरू होता है।

और जबकि, रूपी भाभा वन्यजीव अभयारण्य प्रकृति प्रेमियों को मध्य हिमालय के सबसे सुंदर मनोरम दृश्यों में से एक प्रदान करता है और इसमें साहसिक साधकों के आनंद के लिए ट्रैकिंग मार्गों, पर्वत चोटियों और ऊँचे दर्रों की बड़ी संघ्या है। अभयारण्य के भीतर पंद्रह से अधिक चोटियां हैं जो 5000 मीटर से अधिक ऊँचाई पर हैं। सबसे ऊँची चोटी (5914 मीटर) पूर्वी सीमा पर चिकिम धार पर है। पांडोश्वर चोटी (5806 मीटर) दूसरी सबसे ऊँची चोटी है और किन्नौर जिले का एक बहुत ही महत्वपूर्ण भौगोलिक स्थल है। उत्तरी सीमा पर तीन ऊँचे पर्वतीय दर्रे हैं, जिनके नाम शकरौग खांगो (5100 मीटर), निमिष खांगो (4890 मीटर) और तारी खांगो (4865 मीटर) हैं, जो सभी रूपी-भाभा वन्यजीव अभयारण्य को लाहौल और स्पीति जिले के स्पीति उप-मंडल के पिन वैली राष्ट्रीय उद्यान से जोड़ते हैं।

और जबकि, रूपी-भाभा वन्यजीव अभयारण्य का अल्पाइन क्षेत्र औषधीय जड़ी-बूटियों में प्रचुर मात्रा में है, और स्थानीय समुदाय इन पौधों को इकट्ठा करके और बेचकर अपनी आय में वृद्धि करते हैं। प्रचुर मात्रा में एकत्र की गई सबसे महत्वपूर्ण जड़ी-बूटियाँ हैं कारू (पिक्रोरिज्जा कुरुआ), पाटिश (एकोनिटम हेटरोफाइलम) बनप्सा (वियोला कैनेसेस), कुथ (सौरिया लप्पा) मुशाकबाला (वेलेरियाना वालिची), रिवार्ड चीनी (रयूम इमोडी), बैंकाक्री (पोजेफिलम इमोडी) आदि। आयुर्वेदिक दवाओं के लिए इस अभयारण्य के अल्पाइन चरागाहों में पाई जाने वाली सभी जड़ी-बूटियाँ महान आर्थिक मूल्य और महत्व की हैं।

और जबकि, अभयारण्य में प्रमुख पाई जाने वाली प्रमुख पशु प्रजातियाँ हैं कस्तूरी मृग (मोस्चस मोस्चिफेरस), गोरल (नेमोरहेडस गोरल), भरल (स्यूडोइस नायर), सीरो (कैपरिसोनिस सुमात्रेन्सिस), हिमालयन थार (हेमित्रगस जेम्लाहिक्स), हिमालयन नेवला (मुस्टेला सिरिबिका), हिम तेंदुआ (अनसिया अनसिया), सामान्य तेंदुआ (पेंथेरा पार्डस), तेंदुआ बिल्ली (फेलिस बेंगालेसिस), लाल लोमड़ी (बुल्प्स बल्प्स), छोटी कश्मीर उड़ने वाली गिलहरी (हाइलोपेटेस फिल्मिएटस), एशियाई काला भालू (उरस थिबेटानस), पश्चिमी ट्रैगोपैन (ट्रैगोपैन मेलानोसेफालस), चीयर तीतर (कैट्रेस वालिची), हिमालयन मोनाल (लोफोफोरस इम्पेजेनस), हिमालयन ग्रिफॉन (जिप्स हिमालयेन्सिस), बुड़काँक इत्यादि हैं।

और जबकि, रूपी भाभा वन्यजीव अभयारण्य में प्रमुख पुष्प प्रजातियाँ हैं जैसे कि ब्राउन ओक (क्लेरकस सेमीकार्पिफोलिया), स्पूस (पिका स्मिथियाना), देवदार (एबीस पिंडो), चिलगोसा (पीनस जेरार्डियाना), मेपल (एसर पेंटापोमिकम), राख/जैतून (फ्रैक्सिनस ज़ैन्थोक्सिलोइड्स), एलनस नाइटिडा, बेतूला एनोइड्स, बक्सस वालिचियाना, कॉर्नस एसपी, गुलाबी रोडोडेंड्रोन, बर्बेरिस एसपी। आर्टेमिसिया बल्लेरिस, लोनीसेरा आँगस्टिफोलिया, एफडेरा जेरार्डियाना, प्लैक्ट्रान्थस एसपी। जुनिपेरस इंडिका आदि।

और चूंकि, इस अधिसूचना के पैरा 1 में निर्दिष्ट संरक्षित क्षेत्र के चारों ओर पारिस्थितिक, पर्यावरणीय और जैव विविधता के दृष्टिकोण से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में क्षेत्र, विस्तार और सीमा को संरक्षित और सुरक्षित रखना आवश्यक है और उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्ग और उनके संचालन और प्रक्रियाओं को प्रतिबंधित करना आवश्यक है;

अतः अब, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1) तथा उपधारा (2) के खंड (v) और (xiv) तथा उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित, केन्द्रीय सरकार हिमाचल प्रदेश राज्य के किन्नौर जिले में रूपी भाभा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा से 0 किलोमीटर से 3.45 किलोमीटर तक के क्षेत्र को रूपी भाभा पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा जाएगा) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसके ब्यांपे निम्नानुसार हैं, अर्थातः-

## 1. पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और सीमाएं-

(1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन रूपी भावा वन्यजीव अभ्यारण्य की सीमा के आसपास 0 किलोमीटर से 3.45 किलोमीटर तक फैला हुआ है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल लगभग 85.53 वर्ग किलोमीटर है।

**टिप्पणी:** रूपी-भावा वन्यजीव अभ्यारण्य तीन तरफ से पूर्व में लिप्पा-असरंग वन्यजीव अभ्यारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन (ईएसजेड) के साथ अपनी सीमाएँ साझा करता है। उत्तर की ओर, यह पिन वैली नेशनल पार्क के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के साथ-साथ पार्क की सीमा पर भी है। उत्तर-पश्चिमी तरफ, अभ्यारण्य ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क से सटा हुआ है। इसलिए, रूपी-भावा वन्यजीव अभ्यारण्य के इन तीनों तरफ कोई पारिस्थितिकी संवेदी जोन नहीं है।

(2) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का सीमा विवरण अनुलग्नक-। के रूप में संलग्न है।

(3) रूपी भावा वन्यजीव अभ्यारण्य के आसपास के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मानचित्र अनुलग्नक-॥क, अनुलग्नक ॥ ख के रूप में संलग्न हैं। अनुलग्नक ग और अनुलग्नक ॥ घ के रूप में संलग्न है।

(4) रूपी भावा वन्यजीव अभ्यारण्य और इसके पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा पर भू-निर्देशांक अनुलग्नक -III में संलग्न हैं।

(5) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले गांवों की सूची अनुलग्नक-IV में संलग्न है।

(6) क्षेत्र में मौजूद वनस्पतियों और जीवों की विस्तृत सूची अनुलग्नक-V पर है।

## 2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना.-

(1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजनों के लिए, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए, राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए एक आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

(2) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए क्षेत्रीय महायोजना राज्य सरकार द्वारा इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट केंद्र एवं राज्य सरकार के संगत कानूनों के अनुरूप केन्द्रीय एवं राज्य कानूनों तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों, यदि कोई हों, के अनुरूप तैयार की जाएगी।

(3) आंचलिक महायोजना राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से तैयार किया जाएगा, ताकि उक्त योजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय पहलुओं को एकीकृत किया जा सके:-

- i. पर्यावरण;
- ii. वन एवं वन्यजीव;
- iii. कृषि;
- iv. आय;
- v. शहरी विकास;
- vi. पर्यटन;
- vii. ग्रामीण विकास;
- viii. सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण;
- ix. पंचायती राज;
- x. नगर पालिका;
- xi. हिमाचल प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

(4) आंचलिक महायोजना अनुमोदित मौजूदा भूमि उपयोग, बुनियादी ढांचे और गतिविधियों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाएगा, जब तक कि इस अधिसूचना में ऐसा निर्दिष्ट न किया गया हो और आंचलिक महायोजना में सभी बुनियादी ढांचे और गतिविधियों को और अधिक कुशल और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए सुधार को शामिल किया जाएगा।

(5) आंचलिक महायोजना में जल-विहीन क्षेत्रों के पुनरुद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, जलग्रहण क्षेत्रों के प्रबंधन, जलग्रहण प्रबंधन, भूजल प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदाय की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण के ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है, के लिए प्रावधान किया जाएगा।

(6) आंचलिक महायोजना में सभी मौजूदा पूजा स्थलों, गांवों और शहरी बस्तियों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, हरित क्षेत्र जैसे पार्क, बागवानी क्षेत्र, बाग-बगीचे, झीलों और अन्य जल निकायों को मौजूदा और प्रस्तावित भूमि उपयोग विशेषताओं का ब्यौरा देने वाले मानचित्रों के साथ चिह्नित किया जाएगा।

(7) आंचलिक महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को विनियमित करेगा और पैराग्राफ 4 में तालिका में सूचीबद्ध निषिद्ध और विनियमित गतिविधियों का पालन करेगा और स्थानीय समुदायों की आजीविका की सुरक्षा के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल विकास को सुनिश्चित और बढ़ावा देगा।

(8) आंचलिक महायोजना, क्षेत्रीय विकास योजना के साथ समाप्त होगा।

(9) इस तरह अनुमोदित आंचलिक महायोजना, इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार निगरानी से संबंधित समिति के लिए उसके कार्यों के कार्यान्वयन हेतु संदर्भ दस्तावेज होगा।

(10) आंचलिक महायोजना की तैयारी और अनुमोदन तक, कोई भी नई विकासात्मक गतिविधियां पैराग्राफ 6 के उप-पैरा (1) और (2) में निर्दिष्ट प्रावधानों द्वारा शासित होंगी।

**3. राज्य सरकार द्वारा उठाए जाने वाले उपाय-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

1. **भूमि उपयोग-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मनोरंजन प्रयोजनों के लिए चिन्हित वन, बागवानी क्षेत्र, कृषि क्षेत्र, पार्क और खुले स्थान का उपयोग वाणिज्यिक या आवासीय या औद्योगिक गतिविधियों के लिए नहीं किया जाएगा या उन्हें क्षेत्रों में परिवर्तित नहीं किया जाएगा:

बशर्ते कि ऊपर भाग (क) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के अलावा अन्य प्रयोजनों के लिए पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर कृषि और अन्य भूमि के परिवर्तन की अनुमति निगरानी समिति की सिफारिश पर और क्षेत्रीय नगर नियोजन अधिनियम और केंद्र सरकार या राज्य सरकार के अन्य नियमों और विनियमों के तहत सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से, जैसा भी लागू हो और इस अधिसूचना के प्रावधानों के अनुसार, स्थानीय निवासियों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने और निम्नलिखित गतिविधियों के लिए दी जा सकेगी-

- i. मौजूदा सड़कों का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण तथा नई सड़कों का निर्माण;
- ii. बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं का निर्माण और नवीनीकरण;
- iii. प्रदूषण न फैलाने वाले लघु उद्योग;
- iv. कुटीर उद्योग जिनमें ग्रामोद्योग भी शामिल है; सुविधाजनक स्टोर और होम स्टे सहित पारिस्थितिकी पर्यटन को समर्थन देने वाली स्थानीय सुविधाएं; तथा
- v. अनुच्छेद 4 में दी गई गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया:

यह भी प्रावधान है कि जनजातीय भूमि का उपयोग वाणिज्यिक और औद्योगिक विकास गतिविधियों के लिए क्षेत्रीय नगर नियोजन अधिनियम और राज्य सरकार के अन्य नियमों और विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन के बिना और संविधान के अनुच्छेद 244 या अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) सहित वर्तमान में लागू कानून के प्रावधानों के अनुपालन के बिना नहीं किया जाएगा:

यह भी प्रावधान है कि पारिस्थितिक संवेदी जोन के भीतर भूमि अभिलेखों में पाई जाने वाली किसी त्रुटि को राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार निगरानी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात ठीक किया जाएगा और उक्त त्रुटि के सुधार की सूचना पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में केन्द्रीय सरकार को दी जाएगी:

यह भी प्रावधान है कि त्रुटि सुधार में इस उप-पैराग्राफ के अंतर्गत दिए गए प्रावधान को छोड़कर अब किसी भी मामले में भूमि उपयोग में परिवर्तन शामिल नहीं होगा;

वनरोपण और आवास पुनर्स्थापन गतिविधियों के माध्यम से अप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुनः वनरोपण करने के प्रयास किए जाएंगे।

2. **प्राकृतिक जल निकाय**.- सभी प्राकृतिक झरनों के जलग्रहण क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और पुनरुद्धार के लिए योजनाएं आंचलिक महायोजना में शामिल की जाएंगी और राज्य सरकार द्वारा दिशानिर्देश इस प्रकार तैयार किए जाएंगे कि इन क्षेत्रों में या इनके निकट ऐसी विकास गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके जो इन क्षेत्रों के लिए हानिकारक हैं।
3. **पर्यटन या पारिस्थितिकी पर्यटन**.- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नई पारिस्थितिकी पर्यटन गतिविधियां या मौजूदा पर्यटन गतिविधियों का विस्तार पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए पर्यटन मास्टर प्लान के अनुसार होगा;
  1. पर्यटन मास्टर प्लान राज्य के पर्यटन विभाग द्वारा राज्य के पर्यावरण एवं वन विभागों के परामर्श से तैयार किया जाएगा;
  2. पर्यटन मास्टर प्लान, आंचलिक महायोजना का एक घटक होगा;
  3. पर्यटन मास्टर प्लान पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के अध्ययन के आधार पर तैयार किया जाएगा;
  4. पारिस्थितिकी पर्यटन की गतिविधियों को निम्नानुसार विनियमित किया जाएगा, अर्थात्-
    - i. संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, जो भी निकट हो, होटलों और रिसॉटर्स के नए निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी; वर्तमान के संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से आगे पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, नए होटलों और रिसॉटर्स की स्थापना की अनुमति केवल पर्यटन मास्टर प्लान के अनुसार पारिस्थितिक पर्यटन सुविधाओं के लिए पूर्व-परिभाषित और निर्दिष्ट क्षेत्रों में ही दी जाएगी;
    - ii. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नई पर्यटन गतिविधियां या मौजूदा पर्यटन गतिविधियों का विस्तार, केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों और राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण द्वारा जारी पारिस्थितिक पर्यटन दिशानिर्देशों (समय-समय पर संशोधित) के अनुसार होगा, जिसमें पारिस्थितिक पर्यटन, पारिस्थितिक शिक्षा और पारिस्थितिक विकास पर जोर दिया जाएगा;
    - iii. जब तक आंचलिक महायोजना को मंजूरी नहीं मिल जाती, पर्यटन के लिए विकास और मौजूदा पर्यटन गतिविधियों के विस्तार की अनुमति संबंधित नियामक प्राधिकरणों द्वारा वास्तविक साइट विशेष जांच और निगरानी समिति की सिफारिश के आधार पर दी जाएगी और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किसी भी नए होटल, रिसॉट या वाणिज्यिक प्रतिष्ठान के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी।
  4. **प्राकृतिक विरासत** -पारिस्थितिकी संवेदनशील जोन में मूल्यवान प्राकृतिक विरासत के सभी स्थलों, जैसे जीन पूल आगक्षित क्षेत्र, चट्टान संरचनाएं, बहुमूल्य चश्में, झरने, धारियां, उपवन, गुफाएं, स्थान, पैदल मार्ग, सैरगाह, चट्टानें आदि की पहचान की जाएगी और आंचलिक महायोजना के एक भाग के रूप में उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए विरासत संरक्षण योजना तैयार की जाएगी।
  5. **मानव निर्मित विरासत स्थल**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में इमारतें, ढांचा, वास्तुशिल और सांस्कृतिक महत्व की इमारतों, संरचनाओं, कलाकृतियों, क्षेत्रों और परिसरों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण के लिए विरासत संरक्षण योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में तैयार की जाएगी।

6. **ध्वनि प्रदूषण.**- पारिस्थितिक संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण, ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 और उसके संशोधनों के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।
7. **वायु प्रदूषण.**- पारिस्थितिक संवेदी जोन में वायु प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के उपबंधों और इन अधिनियमों के अधीन बनाए गए नियमों के अनुसार किया जाएगा।
8. **बहिःस्थावों का निस्सरण.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में शोधित बहिःस्थावों का निस्सरण जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 (1974 का 6) तथा पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 तथा इन अधिनियमों के अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।
9. **ठोस अपशिष्ट.**- ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन निम्नानुसार होगा:-
  - क. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट निपटान और प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार किया जाएगा, जिसे भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचना संख्या एसओ 1357 (ई), दिनांक 8 अप्रैल, 2016 द्वारा प्रकाशित किया गया है और समय-समय पर संशोधित किया गया है; अकार्बनिक सामग्री को पारिस्थितिकी संवेदी जोन के बाहर पहचाने गए स्थल पर पर्यावरण स्वीकार्य तरीके से निपटाया जा सकता है;
  - (ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर पहचानी गई प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए मौजूदा नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्टों के सुरक्षित और पर्यावरण की दृष्टि से सही प्रबंधन (ईएसएम) की अनुमति दी जा सकती है।
10. **जैव-चिकित्सा अपशिष्ट.**- जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन निम्नानुसार होगा:-
  - क. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित जीएसआर 343 (ई), दिनांक 28 मार्च, 2016 तथा समय-समय पर संशोधित जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के अनुसार किया जाएगा;
  - ख. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर चिन्हित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए मौजूदा नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्टों के सुरक्षित और पर्यावरण की दृष्टि से उचित प्रबंधन की अनुमति दी जा सकती है।
11. **प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन.** - पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा, जिसे भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा अधिसूचना संख्या जीएसआर 340 (ई), दिनांक 18 मार्च 2016 द्वारा प्रकाशित किया गया है, जिसे समय-समय पर संशोधित किया गया है।
12. **निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन, समय-समय पर संशोधित, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या जीएसआर 317(ई) दिनांक 29 मार्च, 2016 द्वारा प्रकाशित निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।
13. **ई-अपशिष्ट.**- पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई-अपशिष्ट प्रबंधन, समय-समय पर संशोधित, भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा प्रकाशित ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।
14. **वाहनों का आवागमन.**- वाहनों के आवागमन को पर्यावरण अनुकूल तरीके से विनियमित किया जाएगा और इस संबंध में विशिष्ट प्रावधान आंचलिक महायोजना में शामिल किए जाएंगे और जब तक आंचलिक महायोजना तैयार नहीं हो जाता और राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित नहीं हो जाता, तब तक निगरानी समिति संबंधित अधिनियमों और उनके तहत बनाए गए नियमों और विनियमों के तहत वाहनों के आवागमन के अनुपालन की निगरानी करेगी।
15. **वाहन प्रदूषण.**- वाहन प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण लागू कानूनों के अनुपालन में किया जाएगा और स्वच्छ ईंधन के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे।

16. **औद्योगिक इकाइयाँ**— (क) इस अधिसूचना के अधिकारिक राजपत्र में प्रकाशन के बाद या उसके पश्चात्, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर कोई भी नया प्रदूषणकारी उद्योग स्थापित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी;

(ख) केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को ही केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी यथासंशोधित दिशा-निर्देशों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर अनुमति दी जाएगी, याद इस अधिसूचना में ऐसा निर्दिष्ट नहीं किया गया है, और इसके अतिरिक्त, गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

17. **पहाड़ी ढलानों का संरक्षण**— पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार होगा:-

क. आंचलिक महायोजना में पहाड़ी ढलानों पर स्थित क्षेत्रों को दर्शाया जाएगा जहां किसी निर्माण की अनुमति नहीं होगी;

ख. मौजूदा खड़ी पहाड़ी ढलानों या अत्यधिक कटाव वाली ढलानों पर निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

#### 4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत निषिद्ध या विनियमित की जाने वाली गतिविधियों की सूची

पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी गतिविधियां पर्यावरण अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के प्रावधानों द्वारा शासित होंगी, जिनमें पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 (या नवीनतम अधिसूचना) और अन्य लागू कानून शामिल हैं, जिनमें वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) और उनमें किए गए संशोधन शामिल हैं और उन्हें नीचे दी गई तालिका में निर्दिष्ट तरीके से विनियमित किया जाएगा, अर्थात्:-

क्र.सं.	क्रियाकलाप	सूची	
		टिप्पणियाँ	क. प्रतिषिद्ध गतिविधियाँ
1.	वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और पेराईक इकाइयाँ।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर घरों के निर्माण या मरम्मत के लिए मिट्टी की खुदाई सहित वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू जरूरतों को पूरा करने के अलावा सभी नए और मौजूदा खनन (लघु और प्रमुख खनिज), पत्थर उत्खनन और क्रिंग इकाइयों पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाएगा; ख. अगस्त, 2006 के आदेशों के अनुसार किए जाएंगे, जो टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद बनाम यूओआई के मामले में डब्ल्यूपी(सी) संख्या 202/1995 में, दिनांक 21 अप्रैल, 2014 के आदेशों के अनुसार, जो गोवा फाउंडेशन बनाम यूओआई के मामले में डब्ल्यूपी(सी) संख्या 435/2012 में, तथा दिनांक 28 अप्रैल, 2023 के आदेशों के अनुसार किए जाएंगे, जो टीएन गोदावर्मन थिरुमुलपाद बनाम यूओआई के मामले में तथा डब्ल्यूपी(सी) संख्या 202/1995 में दिए गए थे।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर कोई भी खतरनाक अपशिष्ट उपचार सुविधा स्थापित नहीं की जाएगी।
2.	प्रदूषण उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना (जल, वायु, मूदा, ध्वनि, आदि)।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रदूषणकारी उद्योगों के नए या विस्तार की अनुमति नहीं दी जाएगी।	परिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रदूषणकारी उद्योगों के नए या विस्तार की अनुमति नहीं दी जाएगी।
3.	प्रमुख जलविद्युत परियोजना की स्थापना।	प्रतिषिद्ध।	प्रतिषिद्ध।
4.	किसी भी खतरनाक पदार्थ का उपयोग, उत्पादन या प्रसंस्करण।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर कोई भी खतरनाक अपशिष्ट उपचार सुविधा स्थापित नहीं की जाएगी। पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंदर उत्पन्न सभी खतरनाक अपशिष्ट को पारिस्थितिकी संवेदी जोन के बाहर ले जाया जाएगा। पारिस्थितिकी संवेदी जोन के	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर कोई भी खतरनाक अपशिष्ट उपचार सुविधा स्थापित नहीं की जाएगी। पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंदर उत्पन्न सभी खतरनाक अपशिष्ट को पारिस्थितिकी संवेदी जोन के बाहर ले जाया जाएगा। पारिस्थितिकी संवेदी जोन के

		बाहर उत्पन्न किसी भी खतरनाक अपशिष्ट को पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंदर संभालने, संसाधित करने या उपचारित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
5.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में अनुपचारित अपशिष्टों का निर्वहन।	प्रतिषिद्ध।
6.	नई आरा मिलों की स्थापना।	पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई आरा मिलों या मौजूदा आरा मिलों के विस्तार की अनुमति नहीं दी जाएगी।
7.	ईंट भट्टों की स्थापना।	प्रतिषिद्ध।
8.	पॉलिथीन/प्लास्टिक बैग का उपयोग	प्रतिषिद्ध।
9.	जलाऊ लकड़ी का व्यावसायिक उपयोग।	प्रतिषिद्ध।
10.	पर्यटन से संबंधित अन्य गतिविधियां जैसे पारिस्थितिकी संवेदी जोन के ऊपर गर्म हवा के गुब्बारे, हेलीकॉप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स आदि द्वारा उड़ान भरना।	प्रतिषिद्ध।
11	यांत्रिक साधनों द्वारा मछली पकड़ना।	प्रतिषिद्ध।

#### ख. विनियमित गतिविधियाँ

12.	होटलों और रिसॉर्टों की व्यावसायिक स्थापना।	<p>संरक्षित क्षेत्र की सीमा के एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, जो भी निकटतम हो, किसी भी नए वाणिज्यिक होटल और रिसॉर्ट की अनुमति नहीं दी जाएगी, सिवाय पारिस्थितिकी-पर्यटन गतिविधियों के लिए छोटे अस्थायी ढांचों के:</p> <p>बशर्ते कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर से आगे या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, जो भी निकटतम हो, सभी नई पर्यटन गतिविधियां या मौजूदा गतिविधियों का विस्तार, पर्यटन मास्टर प्लान और लागू दिशानिर्देशों के अनुरूप होंगा।</p>
13.	निर्माण गतिविधियाँ।	<p>क. संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा तक, जो भी निकटतम हो, किसी भी प्रकार के नए वाणिज्यिक निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी:</p> <p>बशर्ते कि, स्थानीय लोगों को स्थानीय निवासियों की आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भवन उप-नियमों के अनुसार पैराग्राफ 3 के उप-पैरा (1) में सूचीबद्ध गतिविधियों सहित उनके उपयोग के लिए उनकी भूमि पर निर्माण कार्य करने की अनुमति होगी:</p> <p>बशर्ते कि प्रदूषण न फैलाने वाले लघु उद्योगों से संबंधित निर्माण गतिविधि को लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हो, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लेकर विनियमित किया जाएगा और न्यूनतम रखा जाएगा।</p> <p>ख. एक किलोमीटर से आगे इसे आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित किया</p>

		जाएगा।
14.	लघु पैमाने के गैर-प्रदूषणकारी उद्योग।	फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग, जैसा कि समय-समय पर संशोधित किया गया है, तथा पारिस्थितिकी संवेदी जोन से स्वदेशी सामग्रियों से उत्पाद बनाने वाले गैर-खतरनाक, लघु एवं सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प-कृषि, बागवानी या कृषि-आधारित उद्योग को अनुमति दी जाएगी।
15.	पेड़ों की कटाई।	क. राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी, राजस्व या निजी भूमि पर वृक्षों की कटाई नहीं की जाएगी। ख. संबंधित केन्द्रीय या राज्य अधिनियम तथा उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
16.	वन उपज या गैर-काष्ठ वन उपज का संग्रहण।	लागू कानूनों के तहत विनियमित।
17.	विद्युत एवं संचार टावरों का निर्माण तथा केवल एवं अन्य अवसंरचनाएं बिछाना।	लागू कानूनों के तहत विनियमित भूमिगत केबलिंग को बढ़ावा दिया जा सकता है।
18.	नागरिक सुविधाओं सहित बुनियादी ढांचा।	लागू कानूनों, नियमों और विनियमों तथा उपलब्ध दिशानिर्देशों के अनुसार शमन के उपाय करना।
19.	विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना, उन्हें पक्का बनाना और नई सड़कों का निर्माण।	लागू कानूनों, नियमों और विनियमों तथा उपलब्ध दिशानिर्देशों के अनुसार उचित पर्यावरण प्रभाव आकलन के साथ शमन के उपाय करना।
20.	पहाड़ी ढलानों और नदी तटों का संरक्षण।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
21.	रात्रि में वाहनों का आवागमन।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
22.	स्थानीय समुदायों द्वारा डेयरी, डेयरी फार्मिंग, जलीय कृषि और मत्स्य पालन के साथ-साथ चल रही कृषि और बागवानी प्रथाएँ।	स्थानीय लोगों के उपयोग के लिए लागू कानूनों के अनुसार अनुमति दी गई है।
23.	फर्मों, कॉर्पोरेट और कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुधन और पोल्ट्री फर्मों की स्थापना।	स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के अलावा लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
24.	कृषि या अन्य उपयोग के लिए खुला कुआँ, बोरवेल आदि।	विनियमित किया जाना चाहिए तथा उचित प्राधिकारी द्वारा गतिविधि की कड़ाई से निगरानी की जानी चाहिए।
25.	प्राकृतिक जल निकायों या भूमि क्षेत्र में उपचारित अपशिष्ट जल/अपशिष्टों का निर्वहन।	उपचारित अपशिष्ट जल या अपशिष्टों को जल निकायों में जाने से रोका जाएगा और उपचारित अपशिष्ट जल के पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे। अन्यथा, उपचारित अपशिष्ट जल/अपशिष्टों के निर्वहन को लागू कानूनों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।
26.	पारिस्थितिकी पर्यटन।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
27.	वाणिज्यिक साइन बोर्ड और होर्डिंग्स।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
28.	विदेशी प्रजातियों का परिचय।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
29.	जल परिवहन।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
30.	मौजूदा परिसर और होटल की बाड़ लगाना।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।

31.	छोटे चारे का संग्रह।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
32.	प्रवासी चराई।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
33.	मछली पकड़ना।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
34.	गंदे नाले का निर्माण।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
35.	नौटोर भूमि का अनुदान।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
36.	पारंपरिक निवासियों के अधिकार।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।
37.	सतही एवं भूजल का व्यावसायिक निकास।	लागू कानूनों के अनुसार विनियमित।

#### ग. संवर्धित गतिविधियाँ

38.	बर्फ और वर्षा जल संचयन।	सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा।
39.	जैविक खेती।	सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा।
40.	सभी गतिविधियों के लिए सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा। हरित प्रौद्योगिकी को अपनाना।	सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा।
41.	कुटीर उद्योग जिसमें ग्रामीण कारीगर आदि शामिल हैं।	सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा।
42.	नवीकरणीय ऊर्जा एवं ईधन का उपयोग।	बायोगैस, सौर प्रकाश आदि को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।
43.	कृषि वानिकी।	सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा।
44.	बागवानी और हर्बल पौधों का रोपण।	सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा।
45.	पर्यावरण अनुकूल परिवहन का उपयोग।	सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा।
46.	कौशल विकास।	सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा।
47.	धीरण भूमि/वन/आवास का पुनरुद्धार।	सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा।
48.	पर्यावरण जागरूकता।	सक्रिय रूप से प्रचारित किया जाएगा।

#### 5. निगरानी समिति-.

इस अधिसूचना के प्रावधानों की प्रभावी निगरानी के लिए, केन्द्र सरकार एक निगरानी समिति का गठन करती है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य शामिल होंगे, अर्थात्:-

क्र.सं.	निगरानी समिति के घटक	पद का नाम
(i)	वन संरक्षक, (प्रादेशिक), रामपुर वन वृत्त	अध्यक्ष, पदेन;
(ii)	उप वन संरक्षक, किन्नौर वन प्रभाग	अध्यक्ष, पदेन;
(iii)	पर्यावरण (विरासत संरक्षण सहित) के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन का एक प्रतिनिधि राज्य सरकार द्वारा तीन वर्ष की अवधि के लिए नामित किया जाएगा।	सदस्य;

(iv)	कार्यकारी अभियंता, हिमाचल प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, क्षेत्र का अधिकार क्षेत्र रखते हैं।	अध्यक्ष, पदन;
(v)	क्षेत्र का अधिकार क्षेत्र रखने वाला उप-विभागीय मजिस्ट्रेट।	अध्यक्ष, पदन;
(vi)	पर्यटन विभाग से एक विशेषज्ञ राज्य सरकार द्वारा नामित किया जाएगा।	सदस्य;
(vii)	किसी प्रतिष्ठित राज्य विश्वविद्यालय या संस्थान से पारिस्थितिकी और पर्यावरण में एक विशेषज्ञ को प्रत्येक तीन वर्ष के बाद राज्य सरकार द्वारा नामनिर्दिष्ट किया जाएगा।	सदस्य;
(viii)	उप वन संरक्षक, वन्यजीव प्रभाग, सराहन	सदस्य-सचिव, पदन।

## 6. निगरानी समिति के कार्य-

(1) निगरानी समिति, वास्तविक स्थल-विशिष्टाओं के आधार पर, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एसओ 1533 (ई), दिनांक 14 सितम्बर, 2006 की अनुसूची में शामिल गतिविधियों की जांच करेगी, और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आती हैं, सिवाय इसके पैरा 4 के अंतर्गत तालिका में निर्दिष्ट गतिविधियों के, और उक्त अधिसूचना के प्रावधानों के तहत पूर्व पर्यावरणीय मंजूरी के लिए, जैसा भी मामला हो, केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय या राज्य पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण को संदर्भित किया जाता है।

(2) भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या एसओ 1533 (ई), दिनांक 14 सितम्बर, 2006 की अनुसूची में शामिल न की गई गतिविधियां और पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आने वाली गतिविधियां, पैरा 4 के अंतर्गत तालिका में निर्दिष्ट प्रतिबंधित गतिविधियों को छोड़कर, वास्तविक स्थल-विशिष्ट स्थितियों के आधार पर निगरानी समिति द्वारा जांच की जाएंगी और संबंधित नियामक प्राधिकरणों को भेजी जाएंगी।

(3) निगरानी समिति का सदस्य-सचिव या संबंधित कलेक्टर या संबंधित उप वन संरक्षक पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के तहत किसी भी व्यक्ति के खिलाफ शिकायत दर्ज करने के लिए सक्षम होगा जो इस अधिसूचना के प्रावधानों का उल्लंघन करता है।

(4) निगरानी समिति मामले दर मामले के आधार पर आवश्यकतानुसार विचार-विमर्श में सहायता के लिए संबंधित विभाग से प्रतिनिधि या विशेषज्ञ, उद्योग संघों या संबंधित हितधारकों से प्रतिनिधि को आमंत्रित कर सकती है।

(5) निगरानी समिति प्रत्येक वर्ष 31 मार्च तक की अवधि के लिए अपनी गतिविधियों की वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट उस वर्ष 30 जून तक इस अधिसूचना से संलग्न अनुलग्नक-VI में निर्दिष्ट प्रोफार्मा में राज्य के मुख्य वन्यजीव वर्डन को प्रस्तुत करेगी।

(6) केन्द्रीय सरकार, निगरानी समिति को उसके कार्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए लिखित रूप में ऐसे निर्देश दे सकेगी, जो वह उचित समझे।

7. अतिरिक्त उपाय: केन्द्र सरकार और राज्य सरकार इस अधिसूचना के प्रावधानों को प्रभावी करने के लिए अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हो, निर्दिष्ट कर सकती हैं।

8. सर्वोच्च न्यायालय, आदि के आदेश -इस अधिसूचना के प्रावधान भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित या पारित किए जाने वाले आदेशों के अधीन होंगे।

अनुलग्नक ।

क :रूपी भाभा वन्यजीव अभयारण्य के आसपास के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का सीमा विवरण

क्र.सं.	दिशा	सीमा विवरण
1.	उत्तर	प्रस्तावित पारिस्थितिकी संवेदी जोन की उत्तरी सीमा $77^{\circ}46'45.896''$ पू. $31^{\circ}46'07.388''$ उ से शुरू होकर $78^{\circ}04'25.741''$ पू. $31^{\circ}47'0.491''$ उ तक है। रूपी भाभा वन्यजीव अभयारण्य की उत्तरी सीमा में क्रमशः उत्तर और उत्तर पश्चिमी तरफ ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क और पिन वैली नेशनल पार्क के साथ महत्वपूर्ण गलियारा/संपर्क/पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र हैं।
2.	पूर्व	प्रस्तावित पारिस्थितिकी संवेदी जोन की पूर्वी सीमा $78^{\circ}6'6.322''$ पू. $31^{\circ}42'46.943''$ उ से शुरू होकर $78^{\circ}6'34.099''$ पू. $31^{\circ}36'36.953''$ उ तक है। पारिस्थितिकी संवेदी जोन के पूर्वी किनारे लिप्पा के पारिस्थितिकी संवेदी जोन से लगे हुए हैं - असरंग वन्यजीव अभयारण्य और किन्नौर प्रादेशिक वन प्रभाग की कटगांव रेंज।
3.	दक्षिण	प्रस्तावित पारिस्थितिकी संवेदी जोन की दक्षिणी सीमा $77^{\circ}57'44.039''$ पू. $31^{\circ}34'24.429''$ उ से शुरू होकर $77^{\circ}52'2.616''$ पू. $31^{\circ}35'16.183''$ उ तक है। पारिस्थितिकी संवेदी जोन का दक्षिणी भाग किन्नौर प्रादेशिक वन की निचार रेंज है विभाजन।
4.	पश्चिम	$^{\circ}45'9.77''$ पू. $31^{\circ}44'10.864''$ उ से शुरू होकर $77^{\circ}49'52.904''$ पू. $31^{\circ}35'12.306''$ उ तक। पारिस्थितिकी संवेदी जोन का पश्चिमी भाग ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के पारिस्थितिकी संवेदी जोन और रामपुर प्रादेशिक वन प्रभाग के सराहन रेंज के साथ संरेखित है।

## ख .प्रस्तावित पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले वनों की सूची (यूपीएफ)

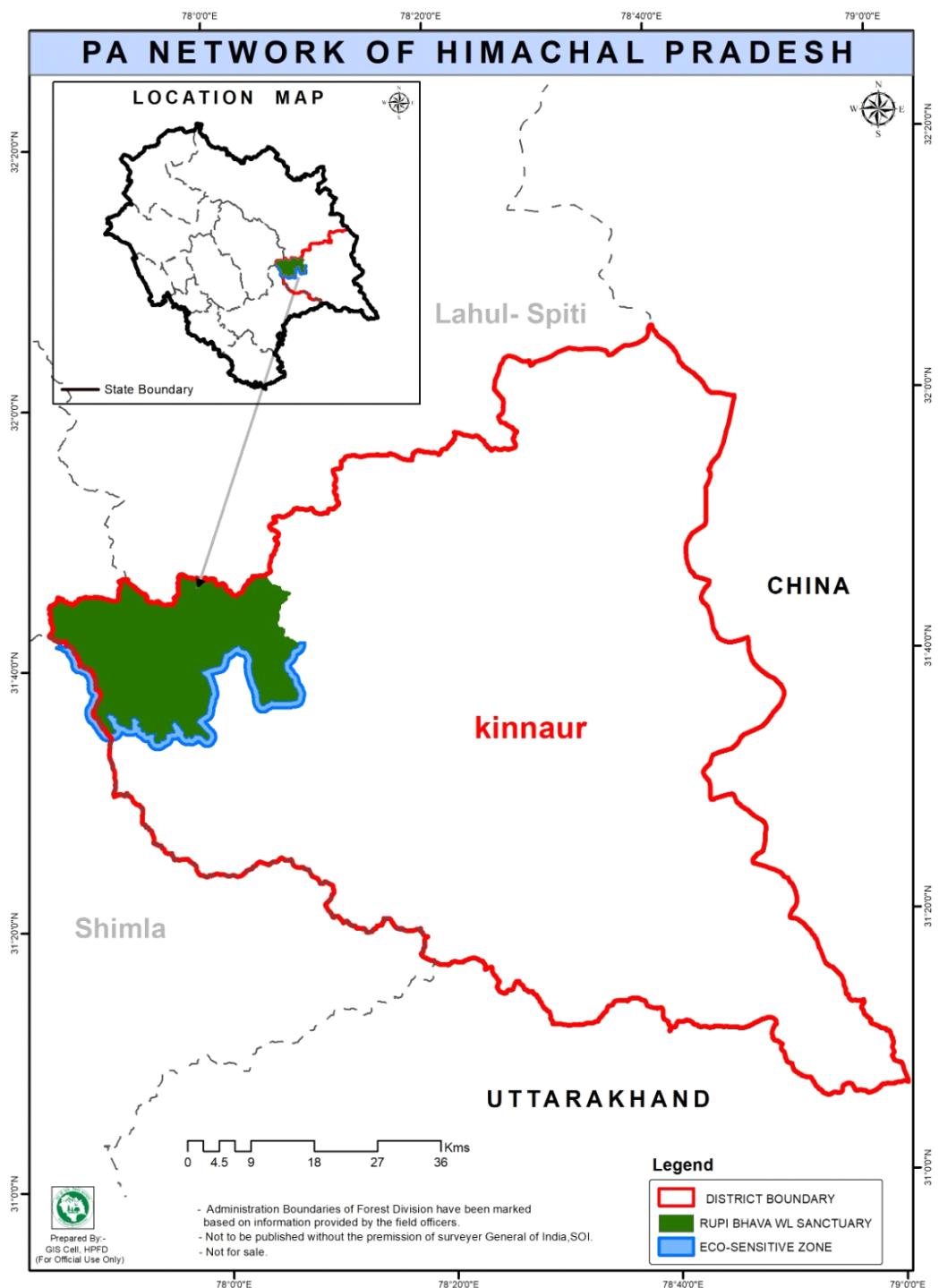
रूपी-भाभा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के भीतर पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आने वाले यूपीएफ की सूची निम्नलिखित है।

क्र.सं.	संभाग का नाम विभाजन	श्रेणी का नाम	इलाका का नाम	वन का नाम	खंड	क्षेत्र
1	वन्यजीव मंडल	कटगांव	कटगांव	सी-88	-	242.00 हेक्टेयर
				सी-89	-	124.65 हेक्टेयर
				सी-91	-	400.00 हेक्टेयर
				यूएफ-29	-	300.00 हेक्टेयर
				यूएफ-28	-	200.00 हेक्टेयर
				यूएफ-27	-	200.00 हेक्टेयर
				यूएफ-30	-	150.00 हेक्टेयर
				यूएफ-31	-	420.00 हेक्टेयर
				यूएफ-32	-	220.00 हेक्टेयर
				अवर्गीकृत चारागाह भूमि उरनी कांडा	-	259.25 हेक्टेयर
				अवर्गीकृत चारागाह भूमि उल्ला कांडा	-	700.00 हेक्टेयर

		अवर्गीकृत चारागाह लैंड रोधी बीट	-	431.00 हेक्टेयर
		अवर्गीकृत चारागाह भूमि पंगी बीट	-	504.00 हेक्टेयर
	कंधार	सी-92	-	100.00 हेक्टेयर
		यूएफ-26	-	200.00 हेक्टेयर
	नाथपा	अन्यभूमि	-	600.00 हेक्टेयर
	सालारिं	अन्यभूमि	-	108.45 हेक्टेयर
भभा नगर	छोटा कम्बा	यूएफ-16	-	35.00 हेक्टेयर
	बाराकाम्बा	यूएफ-14	-	50.00 हेक्टेयर
		यूएफ-15	-	90.00 हेक्टेयर
	डैबलिंगबीट	सी-98	-	27.00 हेक्टेयर
		सी-99	-	2.83 हेक्टेयर
		यूएफ-6	-	15.50 हेक्टेयर
	रूपी	यूएफ-1	-	50.00 हेक्टेयर
		यूएफ-2	-	17.50 हेक्टेयर
		यूएफ-4	-	15.00 हेक्टेयर
सराहन	कूट	सी-129	-	38.88 हेक्टेयर
		सी-130	-	135.27 हेक्टेयर
		सी-131	-	69.66 हेक्टेयर
		सी-132	-	122.31 हेक्टेयर
		सी-133	-	81.04 हेक्टेयर
		सी-134	-	60.34 हेक्टेयर
		सी-135	-	42.32 हेक्टेयर
		अवर्गीकृत चारागाह भूमि कूट मारो।	-	1550.00 हेक्टेयर
		कुल:-		7562 हेक्टेयर

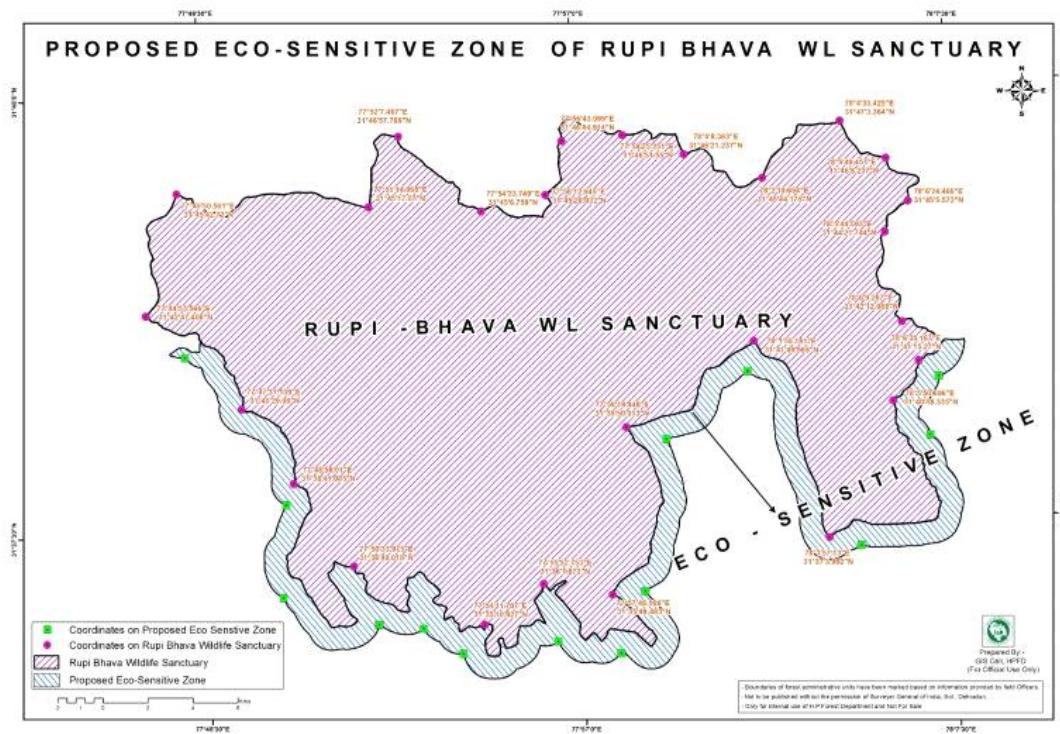
## अनुलग्नक-॥ क

## रूपी भाभा वन्यजीव अभ्यारण्य का स्थान मानचित्र



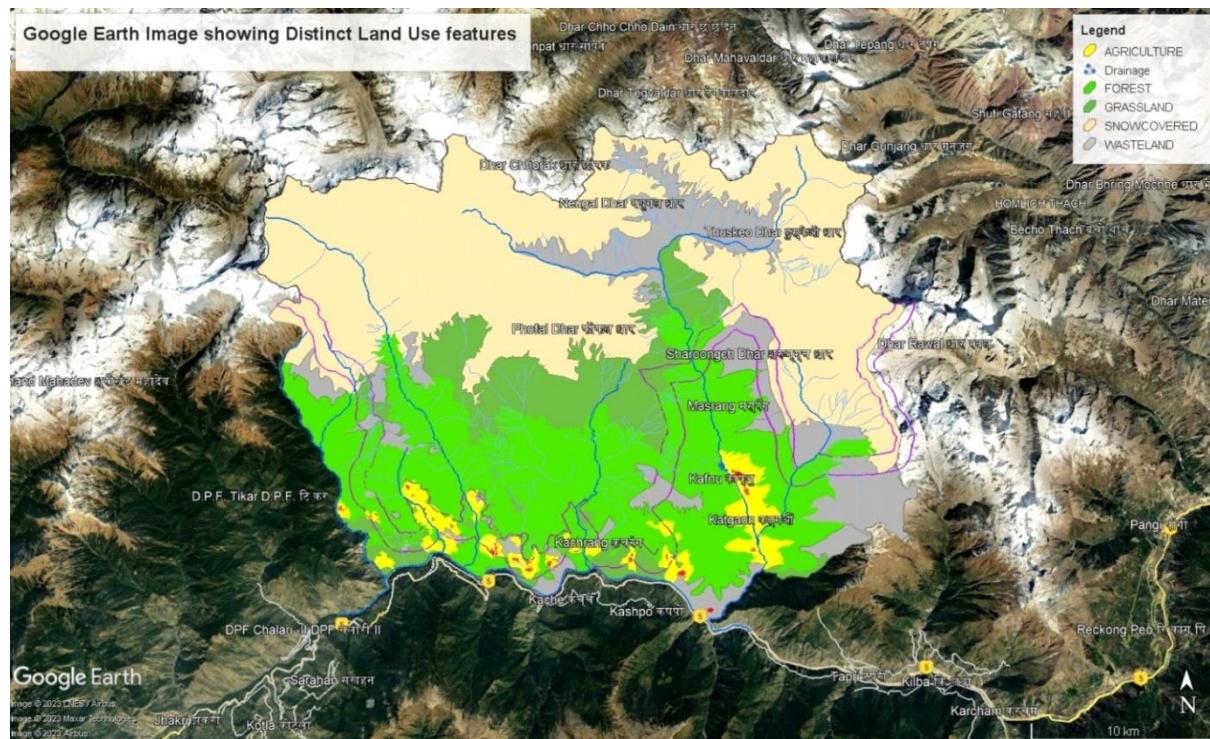
## अनुलग्नक-॥ ख

रूपी भाषा वन्यजीव अभ्यारण्य के आसपास पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र

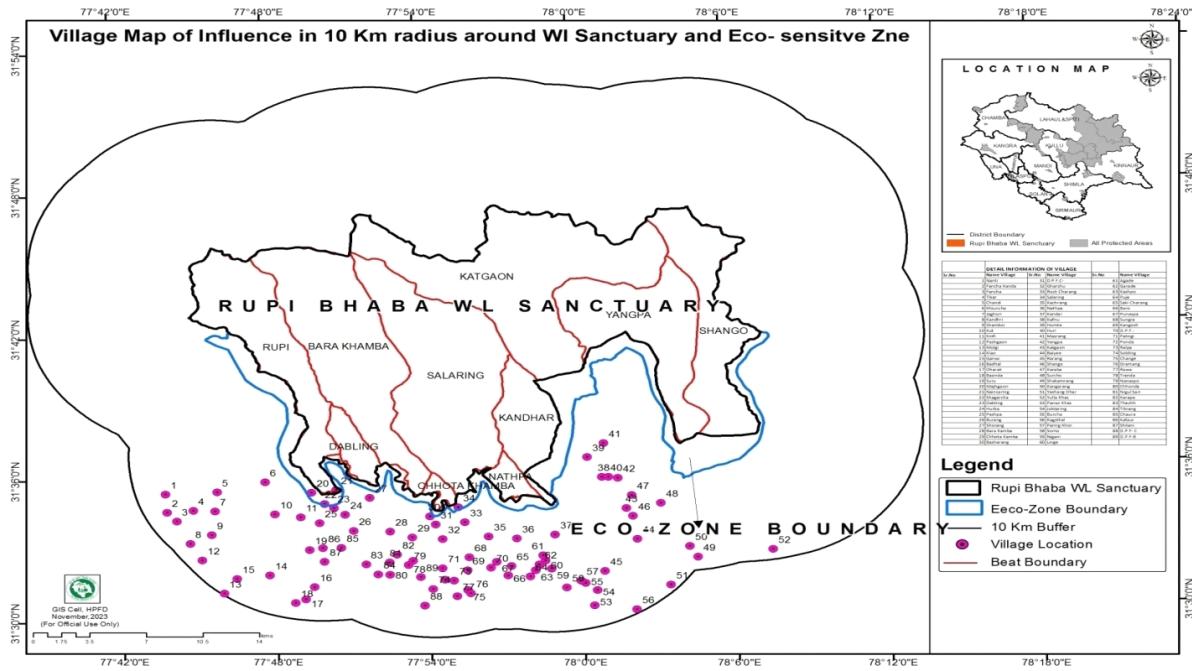


## अनुलग्नक-॥ ग

भूमि उपयोग भूमि आवरण रूपी भाभा वन्यजीव अभ्यारण्य के आसपास पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र



रूपी भाभा वन्यजीव अभयारण्य के आसपास 10 किमी के दायरे में प्रभाव वाले गांव का मानचित्र और इसका पारिस्थितिकी संवेदी जोन



अनुलग्नक-III

**तालिका -क: रूपी भाषा वन्यजीव अभयारण्य के आसपास की सीमा पर महत्वपूर्ण बिंदुओं के भू-निर्देशांक**

बिंदु	देशान्तर	अक्षांश
1	77° 44'53.556"	31° 42'47.406"
2	77° 47'31.139"	31° 40'29.98"
3	77° 48'56.01"	31° 38'41.085"
4	77° 50'33.975"	31° 36'40.018"
5	77° 54'11.707"	31° 35'10.927"
6	77° 55'52.753"	31° 36'7.872"
7	77° 57'48.506"	31° 35'49.483"
8	77° 58'19.448"	31° 39'50.013"
9	78° 1'58.181"	31° 41'49.569"
10	78° 3'57.13"	31° 37'3.902"
11	78° 5'50.606"	31° 40'18.335"
12	78° 6'35.167"	31° 41'15.27"
13	78° 6'9.267"	31° 42'12.088"
14	78° 5'44.593"	31° 44'21.744"
15	78° 6'24.466"	31° 45'5.572"
16	78° 5'49.457"	31° 46'8.237"
17	78° 4'33.425"	31° 47'3.364"
18	78° 2'19.694"	31° 45'44.175"
19	78° 0'8.363"	31° 46'21.237"
20	77° 58'25.251"	31° 46'51.55"
21	77° 56'43.099"	31° 46'44.914"
22	77° 56'12.945"	31° 45'28.032"
23	77° 54'23.749"	31° 45'6.759"
24	77° 52'7.467"	31° 46'57.789"
25	77° 51'14.068"	31° 45'17.07"
26	77° 45'50.501"	31° 45'42.72"

**तालिका- ख: रूपी भाषा वन्यजीव अभयारण्य की पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा पर महत्वपूर्ण बिंदुओं के भू-निर्देशांक**

बिंदु	देशान्तर	अक्षांश
1	77° 48'42.519"	31° 38'10.601"
2	77° 48'34.212"	31° 35'56.958"
3	77° 51'13.91"	31° 35'14.971"
4	77° 52'28.726"	31° 35'7.925"
5	77° 53'34.531"	31° 34'30.118"
6	77° 56'15.277"	31° 34'44.067"
7	77° 58'0.823"	31° 34'24.992"
8	77° 58'43.886"	31° 35'53.438"
9	77° 59'26.349"	31° 39'31.684"
10	78° 1'46.325"	31° 41'5.884"

11	78° 4'50.434"	31° 36'51.49"
12	78° 6'51.257"	31° 39'27.559"
13	78° 7'8.563"	31° 40'52.091"

## अनुलग्नक-IV

## पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले गांवों की सूची

क्र.सं.	गाँव	तहसील	जिला	जीपीएस निर्देशांक
1	कंदार	निचार	किन्नौर	31°34'28.52"उत्तर, 77°59'18.00"पूर्व
2.	कचारंग			31°34'38.12"उत्तर, 77°56'37.50"पूर्व
3.	नाथपा			31°34'25.49"उत्तर, 77°58'2.25"पूर्व
4.	रॉकचारंग			31°34'47.32"उत्तर, 77°56'0.71"पूर्व
5.	सालारिंग			31°35'49.33"उ, 77°55'52.44"पूर्व
6.	गुडगुड़ी			31°36'28.77"उ, 77°50'27.15"पूर्व
7.	मझगांव			31°36'18.64"उत्तर, 77°50'17.42"पूर्व
8.	नलिंग			31°36'12.10"उ, 77°50'27.46"पूर्व
9.	शिगार्चा			31°35'55.99"उत्तर, 77°50'39.24"पूर्व
10.	हुरुवा			31°35'36.54"उ, 77°50'59.56"पूर्व
11।	बड़ाखंवा			31°34'36.66"उ, 77°53'12.88"पूर्व
12.	शोरंग			31°35'58.38"उत्तर, 77°52'30.89"पूर्व
13.	घराशु			31°34'19.04"उत्तर, 77°55'9.09"पूर्व
14.	छोटाखंवा			31°34'9.42"उत्तर, 77°54'26.52"

## संरक्षित क्षेत्र में प्रमुख वनस्पतियों की सूची

## जड़ी बूटी

क्र.सं.	वैज्ञानिक नाम	स्थानीय नाम
1.	एकोनिटम हेटरोफिलम	पटिश, मोहरा
2.	एग्रीमोनिया यूपेटोरियम	कनौला
3.	शतावरी फिलिसिनस	सहसिमुली

4.	कैनाबिस सातिवा	भांग
5.	कैरम कार्वी	ज़ीरा
6.	चेनोपोडियम एल्बम	दनखर
7.	धतूरा स्ट्रैमोनियम	धतूरा
8.	डेल्फीनियम डेनुडेटम	निरविसी
9.	डिपासैकस इनर्मिस	तोरी
10.	फ्रीनिकुलमवल्ज्यारे	सौंफ
11.	जेंटियाना कुरुओ	कारू
12.	गेरेनियम नेपालेंस	तिरहानी
13.	जरबेरा लैनुगिनोसा	कोपरा
14.	गेरार्डियाना हेटरोफिला	बेचुबुति
15.	हेलनिया एलिटिका	पिटपारा
16.	ज्यूरिनिया मैक्रोसेफेला	धुप
17.	मेंथा सिल्वेस्ट्रिस	पोदिना
18.	पाँलीगोनैटम वर्टिसिलेटम	सलाम मिश्री
19.	पाँलीगोनम अलाटम	मोलोरा
20.	प्रिमुला डेंटिकुल्टा	हनातिगू
21.	साल्विया ग्लूटिनोसा	ग्वादरा
22.	सौसुरिया लप्पा	कुथ
23.	स्ट्रोबिलैन्थस डालहौसियम्स	मशियान
24.	स्वेरीता चिराता	चरैता
25.	टैनासेटम लोंगिफोलियम	भुटकेसी
26.	थैलिक्ट्रम प्रांडुकुलेटम	ममीरी
27.	थैलिक्ट्रम न्यूरोकार्पम	बरमोट
28.	वेलेरियाना हेडविकि	नख
29.	वेलेरियाना वालिचार्ड	मुश्कबाला
30.	वायोला सपेंस	वनफशा

## ज्ञाइ

क्र.सं.	वैज्ञानिक नाम	स्थानीय नाम
1.	एरिस्टेमिसिया रोक्सबर्गियाना	सेस्की
2.	बर्बेरिस चिट्रिया	चुत्रम
3.	बोसियम हेस्टिंग्याना	खासबार
4.	कोलेब्रुकिया आँपोसिटिफोलिया	भान्वर

5.	कैरागाना ब्रेविस्पिना	शमेह
6.	कोरियारिया नेपालेसिस	मसूरी
7.	कोटोनिएस्टर बैसिलेरिस	रॉश
8.	क्रेटेगसआॅक्सीएकांथा	बैट सागली
9.	डेफ्ने पेपिरेसिया	गंडिरी
10.	डेस्मोडियम सैमुएन्से	सफेदकाठी
11.	एल्शोल्टिज्जया पाँलीस्टैच्या	पोथीजौनकारा
12.	फ्लेमिंगिया फ्रुटिकुलोसा	चोपरू
13.	इंडिगोफेरा हेबेपेटाला	कास्तियारंग
14.	जूनिपरस रिकर्वा	गुगल
15.	जैस्मिनम ह्यूमिले	चमेली
16.	लोरेंथस एलाटस	बाँदा
17.	लोनिसेरा एंगुस्टिफोलिया	पिरलू
18.	प्लेकट्रान्थस कोएस्टा	बंगरा
19.	रुस्सेमी अलारा	तीतर
20.	रोडोडेंड्रोन कैम्पानुलैटम	सिरमंग
21.	सैलिक्स हैस्टाटा	ब्यून्स
22.	स्किमिया लौरेओला	शुरू
23.	स्पाइरिया कैनेसेंस	ताकोल
24.	स्टैफिलिया इमोडी	नाग दुआन
25.	बुडफोर्डिया फ्लोरिबुंडा	धन

## वृक्ष

क्र.सं.	वैज्ञानिक नाम	स्थानीय/सामान्य नाम
1.	पिनस रोक्स्बुर्गी	चीड़ पाइन
2.	पिनस वाँलिचियाना	नीला पाइन, कैल
3.	एबीस पिंड्रो	सिल्वर फर, तोश
4.	एबीस स्पेक्टेबिलिस	सिल्वर फर, तोश, सपन
5.	सेड्रस देवदार	देवदार
6.	पिसिया स्मिथियाना	स्पूस, राय
7.	टैक्सस बैकाटा	कॉमन यू, राखाल
8.	ब्रेरकस ल्यूकोट्राइकोफोरा	बान ओक
9.	ब्रेरकस ग्लैका	बानी ओक
10.	ब्रेरकस फ्लोरिबुंडा	मोरु ओक

11.	ब्रेकस सेमेकार्पिकोलिया	कहर्मू ओक
12.	अलनस निटिडा	एल्डर, कुनीस, कोश
13.	बेतुला अलनोइड्स	कठभोज
14.	बेतुला उपयोगिता	बिर्च, भोज
15.	जुलग्लान्स रेजिया	बालनट, अखरोट
16.	उल्मस वॉलिचियाना	मालदुंग
17.	सिम्पलोकोस पैनिक्युलेटा	लोध
18.	प्रूनस सेरासोइड्स	पांजा
19.	प्रूनस आर्मेनियाका	चुल्ली
20.	प्रूनस पर्सिका	रेग, बैमी
21.	प्रूनस कार्नुटा	हिम. बर्ड-चेरी, जामुन
22.	पाइरस पाशिया	शगल
23.	एसर एक्युमिनटम	मंडेरंग, उन्न
24.	एसर सीज़ियम	हिम. मेपल, चिरंदरू, मंडेरंग
25.	एसर स्टर्क्युलियासीम	उन्न, कंजल
26.	एसर कप्पाडोसिकम	उन्न, कनाजल
27.	एस्कुलस इंडिका	हिम. हॉर्स चेस्टनट, जंगलीखानोर
28.	रोडोडेंड्रोन आर्बोरियम	बरस

अनुलग्नक-V

रूपी भाषा वन्यजीव अभ्यारण्य में मौजूद वनस्पतियों और जीव-जंतुओंकी सूची

जड़ी बूटी

क्र.सं.	वैज्ञानिक नाम	स्थानीय नाम
1.	एकोनिटम हेटरोफिलम	पटिश, मोहरा
2.	एग्रीमोनिया यूपेटोरियम	कनौला
3.	शतावरी फिलिसिनस	सहसिमुली
4.	कैनाबसि सातिवा	भांग
5.	कैरम कार्वी	ज़ीरा
6.	चेनोपोडियम एल्बम	दनखर
7.	धतूरा स्ट्रैमोनियम	धतूरा
8.	डेल्फीनियम डेनुडेटम	निरविसी
9.	डिपासैकस इनर्मिस	तोरी
10.	फ्रीनिकुलमवल्ज्वारे	सौंफ

11.	जेंटियाना कुरुओ	कारू
12.	गेरेनियम नेपालेंस	तिर्हानी
13.	जरबेरा लैनुगिनोसा	कोपरा
14.	गेरार्डियाना हेटरोफिला	बेचुबुति
15.	हेलनिया एलिटिका	पिटपारा
16.	ज्यूरिनिया मैक्रोसेफेला	धुप
17.	मेंथा सिल्वेस्ट्रिस	पोदिना
18.	पाँलीगोनैटम वर्टिसिलैटम	सलाम मिश्री
19.	पाँलीगोनम अलाटम	मोलोरा
20.	प्रिमुला डेंटिकुल्टा	हनातिगू
21.	साल्विया ग्लूटिनोसा	ग्वादरा
22.	सौसुरिया लप्पा	कुथ
23.	स्ट्रोबिलैन्थस डालहौसियम्स	मशियान
24.	स्वेरीता चिराता	चरैता
25.	टैनासेटम लोंगिफोलियम	भुटकेसी
26.	थैलिक्ट्रम प्रंडकुलैटम	ममीरी
27.	थैलिक्ट्रम न्यूरोकार्पम	बरमोट
28.	वेलेरियाना हेडविकि	नख
29.	वेलेरियाना वालिचार्द	मुश्कबाला
30.	वायोला सर्पेस	वनफशा

## झाड़ी

क्र.सं.	वैज्ञानिक नाम	स्थानीय नाम
1.	एरिस्टेमिसिया रोक्सबर्गियाना	सेस्की
2.	बर्बेरिस चिट्रिया	चुत्रम
3.	बोसियम हेर्स्टियाना	खासबार
4.	कोलेब्रुकिया आँपोसिटिफोलिया	भान्वर
5.	कैरागाना ब्रेविस्पिना	शमेह
6.	कोरियारिया नेपालेंसिस	मसूरी
7.	कोटोनिएस्टर बैसिलोरिस	रौंश
8.	क्रेटेगसआँक्सीएकांथा	बैट सागली
9.	डेफने पेपिरेसिया	गंडिरी
10.	डेस्मोडियम सैमुएन्से	सफेदकाठी
11.	एल्शोलिंज़या पाँलीस्टैच्या	पोथीजौनकारा

12.	फ्लेमिंगिया फ्रुटिकुलोसा	चोपरू
13.	इंडिगोफेरा हेबेपेटाला	कास्तियारंग
14.	जूनिपरस रिकर्वा	गुणगल
15.	जैस्मिनम ह्यूमिले	चमेली
16.	लोरेंथस एलाटस	बाँदा
17.	लोनिसेरा एंगुस्टिफोलिया	पिरलू
18.	प्लेकट्रान्थस कोएस्टा	बंगरा
19.	रुस्सेमी अलारा	तीतर
20.	रोडोडेंड्रोन कैम्पानुलैटम	सिरमंग
21.	सैलिक्स हैस्टाटा	ब्यून्स
22.	स्किमिया लौरेओला	शुरू
23.	स्पाइरिया कैनेसेंस	ताकोल
24.	स्टैफिलिया इमोडी	नाग दुआन
25.	वुडफोर्डिया फ्लोरिबुंडा	धन

## वृक्ष

क्र.सं.	वैज्ञानिक नाम	स्थानीय/सामान्य नाम
1.	पिनस रोक्स्चुर्गी	चीड़ पाइन
2.	पिनस वॉलिचियाना	नीला पाइन, कैल
3.	एबीस पिंडो	सिल्वर फर, तोश
4.	एबीस स्पेक्टेबिलिस	सिल्वर फर, तोश, सपन
5.	सेड्रस देवदार	देवदार
6.	पिसिया स्मिथियाना	स्पूस, राय
7.	टैक्सस बैकाटा	कॉमन यू, राखाल
8.	क्रेरकस ल्यूकोट्राइकोफोरा	बान ओक
9.	क्रेरकस ग्लौका	बानी ओक
10.	क्रेरकस फ्लोरिबुंडा	मोरू ओक
11	क्रेरकस सेमेकार्पिंफोलिया	कहर्सू ओक
12	अलनस निटिडा	एल्डर, कुनीस, कोश
13.	बेतुला अलनोइड्स	कठभोज
14.	बेतुला उपयोगिता	बिर्च, भोज
15.	जुलग्लान्स रेजिया	बालनट खरोट
16.	उल्मस वॉलिचियाना	मालदुंग
17.	सिम्पलोकोस पैनिक्युलेटा	लोध

18.	प्रूनस सेरासोइड्स	पांजा
19.	प्रूनस आर्मेनियाका	चुल्ली
20.	प्रूनस पर्सिका	रेग, बैमी
21.	प्रूनस कार्नुटा	हिम. बर्ड-चेरी, जामुन
22.	पाइरस पाशिया	शगल
23.	एसर एक्युमिनिटम	मंडेरंग, उन्न
24.	एसर सीज़ियम	हिम. मेपल, चिरंदरू, मंडेरंग
25.	एसर स्टक्युर्लियासीम	उन्न, कंजल
26.	एसर कप्पाडोसिकम	उन्न, कनाजल
27.	एस्कुलस इंडिका	हिम. हॉर्स चेस्टनट, जंगलीखानोर
28.	रोडोडेंड्रोन आबोरियम	बरस

संरक्षित क्षेत्र में प्रमुख जीव-जंतुओं की सूची

क्र.सं.	साधारण नाम	वैज्ञानिक नाम
1.	हिमालयन वाटर शूर	चिमारोगेल हिमालया
2.	हॉजसन्स ब्राउन-टूथडशू	सोरिकुलस कॉटेटस
3.	हॉर्सफील्ड्स शू	क्रोकिडुरा हॉर्सफील्डी
4.	ग्रेटर हॉर्सशू बैट	राइनोलोफस फेरमेक्टिनम
5.	ग्रेट हिमालयन लीफ-नोज़्ड बैट	हिप्पोसाइडेरोस आर्मिगेर
6.	हॉजसन्स बैट	मायोटिस फॉर्मोसस
7.	रीसस मैकाक	मकाका मुलाटा
8.	सामान्य लंगूर	सेमोपिथेकस एन्टेल्लस
9.	सामान्य तेंदुआ	पेंथेरा पार्डस
10.	हिम तेंदुआ	अनसिया अनसिया
11.	जंगली बिल्ली	फेलिस चाउस
12.	तेंदुआ बिल्ली	प्रियोनैलुरस बंगालोंसिस
13.	हिमालयन पाम सिवेट	पगुमा लार्वाटा
14.	सामान्य भारतीय नेवला	हर्पेस्टेस एजवाइंड्स
15.	स्टोन मार्टन	मार्टेस फोइना
16.	येलो ब्रोटेड मार्टन	मार्टेस फ्लोविगुला
17.	पेल बीजल	मुस्टेला अल्ताइका
18.	हिमालयन बीजल	मुस्टेला सिबिरिका
19.	येलो बिल्ली डबीजल	मुस्टेला कथिया
20.	रेड फॉक्स	बुलपेस बुलपेस

21.	हिमालयीन भूरा भालू	उर्सस आर्कटोस
22.	एशियाई काला भालू	उर्सस थिबेटानस
23.	हिमालयी कस्तूरी मृग	मोस्कस क्राइसोगास्टर
24.	घोराल	नेमोडेंडस गोरल
25.	हिमालयनसेरो	नेमोरहेडस थार
26.	हिमालयन तहर	हेमित्रागस जेमलाहिक्स
27.	एशियाई आइबेक्स	कैप्रा आइबेक्स
28.	नीली भेड़ (भरल)	ब्रह्मा नायाउर
29.	रेड जांड फलांडिंग स्मिरेल	पेटौरिस्टा पेटौरिस्टा
30.	स्माँल कश्मीर फलांडिंग स्मिरेल	हाइलोपेट्स फिल्म्रिएट्स
31.	घरेलू चूहा	रैटस रैटस
32.	तुर्किस्तान चूहा	रैटस टर्केस्टेनिक्स
33.	चेस्ट नट चूहा	निविवेंटर फुलवेसेंस
34.	ब्हाइट बेल्लीड रेट	निविवेंटर निविवेंटर
35.	इंडियन क्रेस्टेड पोकर्युपाइन	हिस्ट्रिक्स इंडिका
36.	रॉयल्सापिका	ओचोटोना रोइलेइ
37.	लार्जइयर्ड-पिका	ओकोटोना मैक्रोटिस

### संरक्षित क्षेत्र में प्रमुख पक्षियों की सूची

क्र. सं.	पक्षी का नाम	वैज्ञानिक नाम
1	पश्चिमी ट्रैगोपैन	ट्रैगोपैन मेलानोसेफालस
2	कोक्लास तीतर	पुक्रैसिया मैक्रोलोफा
3	हिमालयन मोनाल	लोफोफोरस इम्पेजानस
4	कालीज तीतर	लोफुरा ल्यूकोमेलानोस
5	चुकर तीतर	एलेक्टोरिस चुकर
6	हिमालयन स्नोकॉक	टेट्राओगैलस हिमालयेंसिस
7	लैमर्जीयर	गाइपेटस बार्बेट्स
8	हिमालयन ग्रिफ़ॉन बलचर	जिप्स हिमालयेंसिस
9	गोल्डन ईगल	एक्सिला क्राइस्टोस
10	यूरेशियन स्पैरोहॉक	एसिपिटर निसस
11	हिमालयन बज़र्ड	ब्यूटिओर फेक्टस
12	कॉमन केस्ट्रल	फाल्को टिन्ननकुलस
13	ओरिएंटल टर्टलडब	स्ट्रेप्टोपेलिया ओरिएंटलिस
14	स्नो-वीजन	कोलंबा ल्यूकोनोटा

15	माउंटेन स्कॉप्स ओल्स	ओटस पिलोसेफालस
16	एशियनबार्ड -ओलेट	ग्लौसीडियम क्यूकुलोइड्स
17	हिमालयीन स्विट्लेट	एरोड्रामस ब्रेविरोस्ट्रिस
18	हिमालयन कठफोड़वा	डेंड्रोकोपोस हिमालयेंसिस
19	स्केली-बेलिड बुडपेकर	पिकस स्क्रैमेटस
20	स्पोहेड नटक्रैकर	न्यूसिफ्रागा कैरियोकैटेक्टेस
21	कोझ	पेरिपेरस एटर
22	ब्लैकडण्ड येलो	माइसेरो बेसिकटेरियोइड्स
23	ब्राउनिश फलैंक्ड बुश वार्बलर	होरोनिस फोर्टीपेस
24	ग्रे हेडेड कैनरी फ्लाईकैचर	क्यूलिसिक एपेसीलोनेंसिस
25	लोंग बिल्ड थ्रश	जूथेरा मॉटिकोला
26	कॉमन रोज़फिंच	कार्पोडाक्स एरिश्रिनस
27	रेड हेडिड बुलफिंच	पिरहुला एरिओसेफाला
28	फायर फ्रॉन्टिड सेरिन	सेरिनस पुसिलस
29	प्लैन फिंच	ल्युकोस्टिक्टे नेमोरिकोला
30	रॉक बंटिंग	एम्ब्रेरिजा सिया

संरक्षित क्षेत्र में अन्य महत्वपूर्ण प्रजातियों (तितली, कीड़े, सरीसृप आदि) की सूची

#### उभयचर

1. हिमालयन टोड (दत्ताक्रीनस हिमालयनस)
2. ब्युटिफुल टोरेंट फ्रोग (अमोलोप्स फार्मोसिस)
3. स्टोलिज्काज फ्रोग (पा विसिना)

#### सरीसृप

1. कश्मीर रॉक अगामा (लौडाकिया ट्यूबरकुलाटा)
2. हिमालयन ग्राउंड स्किंक (एसिम्बलफेरस हिमालयनस)
3. आइस फील्ड स्किंक (एसिम्बलफेरस लैंडसेंसिस)
4. हिमालयन कीलबैक (एम्फीस्मा प्लैटिसेप्स)
5. हिमालयन पिट वाइपर (ग्लॉयडियस हिमालयनस)

#### अकशेरुकी

रूपी-भाभा वन्यजीव अभयारण्य के अकशेरुकी जीवों पर कोई दस्तावेज या जानकारी उपलब्ध नहीं है, और यह संभवतः पश्चिमी हिमालय के अन्य भागों के समान है।

#### स्थानिक प्रजातियों की सूची

##### पौधे

1. देवदार सेहस देवदारा

2. केल पिनस वॉलिचियाना
3. चीड़ पाइन पिनस रोक्सबर्गी
4. खानोर (चेस्टनट) एस्कुलस हिप्पोकैस्ट्रानम
5. रोडोडेंड्रोन रोडोडेंड्रोन एसपीएस.

### स्तनधारी

1. हिमालयन गोरल ( नेमोरहेडस गोरल ): हिमालयन गोरल एक छोटी खुरदार प्रजाति है जो हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित पश्चिमी हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में पाई जाती है।
2. हिमालयन ब्लू शीप ( स्ट्रॉडेस नयौर ): इसे भारत या हिमालयन ब्लू शीप के नाम से भी जाना जाता है, यह प्रजाति हिमालयी क्षेत्र की स्थानिक प्रजाति है और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में पाई जा सकती है।

### पक्षी

1. हिमालयन स्नोकॉक (टेट्राओगैलस हिमालयेंसिस ): यह विशाल शिकार की जाने वाली पक्षी पश्चिमी हिमालय में पाया जाता है और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित चट्टानी और अल्पाइन पर्यावासों में पाया जा सकता है।
2. हिमालयन क्लेल (ओफ्रीसिया सुपरसिलियोस): यह दुर्लभ और गंभीर रूप से लुप्तप्राय पक्षी प्रजाति हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित पश्चिमी हिमालय में पाई जाती है, यह घने घास के मैदानों और झाड़ीदार आवासों को पसंद करता है।
3. हिमालयन मोनाल ( लोफोफोरस इम्पेजनस ): हिमालयन मोनाल एक रंगीन तीतर प्रजाति है जो हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों सहित पश्चिमी हिमालय में पाई जाती है, यह जंगलों और अल्पाइन घास के मैदानों में पाया जाता है।

### आरईटी प्रजातियों की सूची

1. हिमालयी भूरा भालू (उर्सस आर्कटोसिसाबेलिनस): असुरक्षित
2. हिमालयन मोनाल (लोफोफोरस इम्पेजेनस): असुरक्षित
3. एशियाई काला भालू (उर्सस थिबेटानस): असुरक्षित
4. हिमालयी कस्तूरी मृग (मोस्कस क्राइसोगास्टर): लुप्तप्राय
5. हिमालयन तहर (हेमिट्रैगस जेमलाहिक्स): संकटग्रस्त

### अनुलग्नक-VI

#### की गई कार्रवाई रिपोर्ट का प्रारूप

1. बैठकों की संख्या और तिथि।
2. बैठकों के कार्यवृत्त: (ध्यान देने योग्य बिंदुओं का उल्लेख करें। बैठक का कार्यवृत्त अलग अनुलग्नक के रूप में संलग्न करें)।
3. पर्यटन मास्टर प्लान सहित आंचलिक महायोजना की तैयारी की स्थिति।
4. भूमि अभिलेख में स्पष्ट त्रुटि के सुधार से संबंधित मामलों का सारांश (पारिस्थितिकी संवेदी जोनवार)। विवरण अनुलग्नक के रूप में संलग्न किया जाए।
5. पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 के अंतर्गत शामिल गतिविधियों के लिए जांचे गए मामलों का सारांश (विवरण अलग अनुलग्नक के रूप में संलग्न किया जाए)
6. पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 के अंतर्गत शामिल न की गई गतिविधियों के लिए जांचे गए मामलों का सारांश (विवरण अलग अनुलग्नक के रूप में संलग्न किया जाए)

7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अंतर्गत दर्ज शिकायतों का सारांश।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण मामला।

[फा. सं. 25/194/2015/ईएसजेड-आरई]

डॉ. सु. केरकेटा, वैज्ञानिक “जी”

## MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

### NOTIFICATION

New Delhi, the 11th February, 2025

**S.O. 734(E).**—The following draft of the notification, which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with clause (v) and clause (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of Section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of Rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft notification shall be taken into consideration on or after the expiry of a period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing this notification are made available to the public;

Any person interested in making any objections or suggestions on the proposals contained in the draft notification may forward the same in writing, for consideration of the Central Government within the period so specified to the Secretary, Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Indira Paryavaran Bhawan, Jorbagh Road, Aliganj, New Delhi-110 003, or send it to the e-mail address of the Ministry at esz-mef@nic.in.

### DRAFT NOTIFICATION

**WHEREAS**, the Rupi Bhaba Wildlife Sanctuary is spread over an area of 503 square kilometres and is located in the Nichar sub-division of Kinnaur district in Himachal Pradesh. It is situated along the Upper Sutlej valley spreading between 31° 35' and 31° 45' N latitudes and between 77° 49' and 78° 07' E longitudes. Reckong Peo (Kalpa), the headquarters of Kinnaur district lies about 40 kilometers on the eastern side of the sanctuary.

**AND WHEREAS**, the Rupi Bhaba Wildlife Sanctuary is positioned between the Shrikhand mountains of the Dhauladhar range in the West and North and the Sutlej River in the South. The sanctuary was given the status of a Wildlife Sanctuary by the Government of Himachal Pradesh vide Notification No. FFE-B-F(6)II/2005-11 dated 07.06.2013.

**AND WHEREAS**, the Rupi-Bhaba wildlife Sanctuary enjoys the privilege of being situated in the Middle Himalayas and confirm to Zone 2 B (Western Himalayas) biographic zone. The Rupi-Bhaba Wildlife Sanctuary together with Great Himalayan National Park and Pin Valley National Park form a continuous and compact block of Protected area network and is suitable to be constituted into a Western Himalayan Biosphere Reserve.

**AND WHEREAS**, the Sanctuary is known for its vast alpine pastures and meadows with thick Deodar, Kail and broad leaved forests (2000 meters and above), Fir-Spruce with bamboo dominating the under growth on higher altitude (2800 meters & above). The alpine zone starts from above 3500 meters altitude.

**AND WHEREAS**, the Rupi Bhaba Wildlife Sanctuary provides one of the most beautiful panoramic views of the Middle Himalayas to the nature lovers and has large members of trekking routes, mountain peaks and high passes to the delight of adventure seekers. There are more than fifteen peaks within the Sanctuary which are above 5000 meters of altitude. The highest Peak (5914 mtrs.) is on Chikim Dhar on the eastern boundary. The Pandoswar Peak (5806 mtrs.) is the second highest peak and a very important geographical landmark in Kinnaur District. On the northern boundary there are three high mountain passes namely Shakarog Khango (5100 mtrs), Nimish Khango (4890 mtrs) and Tari Khango (4865 mtrs), all of which connect Rupi-Bhaba Wildlife Sanctuary with Pin Valley National Park of Spiti Sub-Division of Lahaul & Spiti District.

**AND WHEREAS**, The alpine region of the Rupi-Bhaba Wildlife Sanctuary is abundant in medicinal herbs, and the local communities supplement their income by gathering and selling these plants. The most-important herbs collected profusely are Karu (*Picrorhiza kurooa*), Patish (*Aconitum heterophyllum*) Banafsa (*Viola biflora*), Kuth

(*Saussurea lappa*), Mashaqbala (*Valeriana wallichii*), Reward Chini (*Rheum emodii*), Bankakri (*Sinopodophyllum hexandrum*) etc. For Ayurvedic medicines, all the herbs found in alpine pastures of this Sanctuary are of great economic value & importance.

**AND WHEREAS**, the major faunal species found in the sanctuary are musk deer (*Moschus moschiferus*), goral (*Nemorhaedus goral*), bharal (*Pseudois nayyar*), serow (*Capricornis sumatraensis thar*), Himalayan thar (*Hemitragus jemlahicus*), Himalayan weasel (*Mustela siribica*), snow leopard (*Uncia uncia*), common leopard (*Panthera pardus*), leopard cat (*Felis bengalensis*), red fox (*Vulpes vulpes*), small Kashmir flying squirrel (*Hylopetes fimbriatus*), Asiatic Black bear (*Urus thibetanus*), Western tragopan (*Tragopan melanocephalus*), cheer pheasant (*Catreus wallichii*), Himalayan monal (*Lophophorus impejanus*), Himalayan griffon (*Gyps himalayensis*), Woodcock etc.

**AND WHEREAS**, the Rupi Bhaba Wildlife Sanctuary harbours key floral species such as brown oak (*Quercus semicarpifolia*), spruce (*Picea smithiana*), fir (*Abies pindrow*), chilgosa (*Pinus gerardiana*), maple (*Acer pentapanicum*), ash/olive (*Fraxinus xanthoxyloides*), *Alnus nitida*, *Betula anoides*, *Buxus wallichiana*, *Cornus* sp., pink rhododendron, *Berberis* sp. *Artemisia vulgaris*, *Lonicera austifolia*, *Ephedra gerardiana*, *Platranthus* sp. *Juniperus indica* etc.

**AND WHEREAS**, it is necessary to conserve and protect the area, extent and boundary which is specified in paragraph 1 of this notification around the protected area as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-Sensitive Zone;

**NOW THEREFORE**, in exercise of the powers conferred by sub-section(1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of section 3 of the Environment(Protection) Act1986 (29 of 1986) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules,1986, the Central Government hereby notifies an area extending from 0 kilometer to 3.45 kilometers from the boundary of the Rupi Bhaba Wildlife Sanctuary in Kinnaur district in the State of Himachal Pradesh as the **Rupi Bhaba Eco-sensitive Zone** (hereinafter referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely:-

**1. Extent and boundaries of Eco-Sensitive Zone.-** (1) The Eco-sensitive Zone extends from 0 kilometer to 3.45 kilometers around the boundary of Rupi Bhaba Wildlife Sanctuary and the area of the Eco-sensitive Zone is approximately 85.53 square kilometer.

**Note:** *The Rupi-Bhabha Wildlife Sanctuary shares its boundaries on three sides with the Eco-Sensitive Zone (ESZ) of the Lippa-Asarang Wildlife Sanctuary to the east. To the north, it borders the Eco-Sensitive Zone of the Pin Valley National Park, as well as the park itself. On the north-western side, the sanctuary adjoins the Great Himalayan National Park. Therefore, there is no Eco-Sensitive Zone on these three sides of the Rupi-Bhabha Wildlife Sanctuary.*

(2) The boundary description of the Eco Sensitive Zone is appended as **Annexure-I**.

(3) The Maps of the Eco-sensitive Zone around Rupi Bhaba Wildlife Sanctuary is appended as **Annexure- II A, Annexure II B, Annexure II C and Annexure II D**.

(4) Geo Coordinates on the boundary of Rupi Bhaba Wildlife Sanctuary and its Eco-sensitive zone are appended at **Annexure -III**.

(5) The list of villages falling under the Eco-sensitive Zone are appended as **Annexure-IV**.

(6) The detailed list of Flora and Fauna present in the area is at **Annexure-V**.

## **2. Zonal Master Plan for Eco-Sensitive Zone.-**

(1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority in the State Government.

(2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.

(3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-

- i. Environment;
- ii. Forest and Wildlife;
- iii. Agriculture;
- iv. Revenue;
- v. Urban Development;
- vi. Tourism;
- vii. Rural Development;
- viii. Irrigation and Flood Control;
- ix. Panchayati Raj;
- x. Municipality;
- xi. Himachal Pradesh State Pollution Control Board

(4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.

(5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

(6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, green area, such as, parks, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.

(7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.

(8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.

(9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

(10) Pending preparation and approval of the Zonal Master Plan, any new developmental activities shall be governed by provisions specified at sub-para (1) and (2) of paragraph 6.

**3. Measures to be taken by the State Government.** - The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely: -

1. **Land use.**— (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purposes other than that specified at part (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the Central Government or the State Government as applicable and *vide* provisions of this notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as—

- i. widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
- ii. construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
- iii. small scale industries not causing pollution;
- iv. cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
- v. promoted activities given in paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the

Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph;

(b) efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

2. **Natural water bodies.**-The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.
3. **Tourism or eco-tourism.**- (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone;
  - b. the Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with the State Departments of Environment and Forests;
  - c. the Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan;
  - d. the Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone;
  - e. the activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-
    - i. new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer;

Provided that beyond the distance of one kilometer from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

- ii. all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government and the eco-tourism guidelines issued by the National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development;
- iii. until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.
4. **Natural heritage.**- All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.
5. **Man-made heritage sites.**- Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.
6. **Noise pollution.** - Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 and its amendments.
7. **Air pollution.**- Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and Environment (Protection) Act, 1986 and the rules made there under these Acts.
8. **Discharge of effluents.**- The discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974 (6 of 1974) and Environment (Protection) Act, 1986 and the rules made there under these Acts.
9. **Solid wastes.**- Disposal and Management of solid wastes shall be as under:-

a. the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8<sup>th</sup> April, 2016 and as amended from time to time; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;

(b) Safe and Environmentally Sound Management (ESM) of solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-Sensitive zone.

10. **Bio-Medical Waste.**— Bio-Medical Waste Management shall be as under:-

a. the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* number G.S.R. 343 (E), dated the 28<sup>th</sup> March, 2016 as amended from time to time;

b. safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.

11. **Plastic waste management.**— The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18<sup>th</sup> March, 2016, as amended from time to time.

12. **Construction and demolition waste management.**— The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016 published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29<sup>th</sup> March, 2016, as amended from time to time.

13. **E-waste.**— The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.

14. **Vehicular traffic.**— The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the competent authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.

15. **Vehicular pollution.**— Prevention and control of vehicular pollution shall be incompliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.

16. **Industrial units.**— (a) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone;

(b) only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, as amended from time to time, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.

17. **Protection of hill slopes.**— The protection of hill slopes shall be as under:-

a. the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;

b. construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.

#### 4. List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone-

All activities in the Eco-Sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made there under including the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 (or the latest notification) and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

## TABLE

S. No.	Activity	Description
<b>A. Prohibited Activities</b>		
1.	Commercial mining, stone quarrying and crushing units.	<p>a. All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses within Eco-sensitive Zone;</p> <p>b. The mining operations shall be carried out in accordance with the orders of the Hon'ble Supreme Court, dated the 4<sup>th</sup> August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C) No.202 of 1995; dated 21<sup>st</sup> April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012; and dated the 26<sup>th</sup> and 28<sup>th</sup> April, 2023 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI and in W.P.(C) No.202 of 1995.</p>
2.	Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.).	No new or expansion of polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall be permitted.
3.	Establishment of major hydroelectric project.	Prohibited.
4.	Use or production or processing of any hazardous substance.	<p>a. No hazardous waste treatment facility shall be located within the ESZ.</p> <p>b. All hazardous waste generated inside the ESZ shall be taken outside the ESZ. No hazardous waste generated outside the ESZ will be allowed to be handled, processed or treated inside the ESZ.</p>
5.	Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.	Prohibited.
6.	Setting up of new saw mills.	New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.
7.	Setting up of brick kilns.	Prohibited.
8.	Use of polythene/plastic bags.	Prohibited.
9.	Commercial use of firewood.	Prohibited.
10.	Undertaking other activities related to tourism like over flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, Microlites, etc.	Prohibited.
11.	Fishing by Mechanical means.	Prohibited.
<b>B. Regulated Activities</b>		
12.	Commercial establishment of hotels and resorts.	<p>No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the Protected Area or upto the extent of Eco-sensitive zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for Eco-tourism activities:</p> <p>Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected Area or upto the extent of Eco-sensitive Zone whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.</p>
13.	Construction activities.	<p>a. New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the Protected Area or upto extent of the Eco-sensitive Zone whichever is nearer:</p>

		<p>Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities listed in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents:</p> <p>Provided that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any.</p> <p>b. Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan.</p>
14.	Small scale non-polluting industries.	Non-polluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, as amended from time to time, and non-hazardous, small-scale and service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted.
15.	Felling of trees.	<p>a. There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government.</p> <p>b. The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made there under.</p>
16.	Collection of Forest Produce or Non-Timber Forest Produce.	Regulated under applicable laws.
17.	Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.	Regulated under applicable laws of underground cabling may be promoted.
18.	Infrastructure including civic amenities.	Taking measures of mitigation, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
19.	Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.	Taking measures of mitigation with proper Environment Impact Assessment, as per applicable laws, rules and regulation and available guidelines.
20.	Protection of Hill Slopes and river banks.	Regulated as per the applicable laws.
21.	Movement of vehicular traffic at night.	Regulated as per applicable laws
22.	Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.	Permitted as per the applicable laws for use of locals.
23.	Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.	Regulated as per applicable laws except for meeting local needs.
24.	Open Well, Bore Well, etc. for agriculture or other usage.	Regulated and the activity should be strictly monitored by the appropriate authority.
25.	Discharge of treated waste water/effluents in natural water bodies or land area.	The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise, the discharge of treated waste water/effluent shall be regulated as per the applicable laws.
26.	Eco-tourism.	Regulated as per the applicable laws.
27.	Commercial Sign boards and hoardings.	Regulated as per the applicable laws.
28.	Introduction of exotic species.	Regulated as per the applicable laws.
29.	Water Transportation.	Regulated as per the applicable laws.

30.	Fencing of existing premises and hotel.	Regulated as per the applicable laws.
31.	Collection of small fodder.	Regulated as per the applicable laws.
32.	Migratory Grazing.	Regulated as per the applicable laws.
33.	Fishing.	Regulated as per the applicable laws.
34.	Construction of Sewerage line.	Regulated as per the applicable laws.
35.	Grant of Nautor Land.	Regulated as per the applicable laws.
36.	Traditional Dwellers Rights.	Regulated as per the applicable laws.
37.	Commercial extraction of surface and ground water.	Regulated as per the applicable laws.

### **C. Promoted Activities**

38.	Snow and Rain water harvesting.	Shall be actively promoted.
39.	Organic farming.	Shall be actively promoted.
40.	Adoption of green technology for all activities.	Shall be actively promoted.
41.	Cottage industries including village artisans, etc.	Shall be actively promoted.
42.	Use of renewable energy and fuels.	Bio-gas, solar light etc. shall be actively promoted.
43.	Agro-Forestry.	Shall be actively promoted.
44.	Plantation of Horticulture and Herbals.	Shall be actively promoted.
45.	Use of eco-friendly transport.	Shall be actively promoted.
46.	Skill Development.	Shall be actively promoted.
47.	Restoration of Degraded Land/Forests/ Habitat.	Shall be actively promoted.
48.	Environmental Awareness.	Shall be actively promoted.

### **5. Monitoring Committee. -**

For effective monitoring of the provisions of this notification, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

<b>S.No.</b>	<b>Constituent of the Monitoring Committee</b>	<b>Designation</b>
(i)	Conservator of Forest, (Territorial), Rampur Forest Circle	Chairman, <i>ex-officio</i> ;
(ii)	Deputy Conservator of Forest, Kinnaur Forest Division	<i>Member, ex-officio</i> ;
(iii)	A representative of Non-governmental Organization working in the field of environment (including heritage conservation) to be nominated by the State Government for a period of three years	Member;
(iv)	Executive Engineer, Himachal Pradesh Pollution Control Board, having jurisdiction of the area	<i>Member, ex-officio</i> ;
(v)	Sub Divisional Magistrate having jurisdiction of the area	<i>Member, ex-officio</i> ;
(vi)	One expert from tourism Department to be nominated by the State Government	<i>Member, ex-officio</i> ;

(vii)	One expert in ecology and environment from a reputed State University or Institution to be nominated by the State Government after every three years	Member;
(viii)	Deputy Conservator of Forests, Wildlife Division, Sarahan	Member-Secretary, <i>ex-officio</i> .

#### 6. Functions of the Monitoring Committee. –

- (1) The Monitoring Committee shall, based on the actual site-specific conditions scrutinise, the activities covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest, vide number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change or the State Environment Impact Assessment Authority, as the case maybe, for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (2) The activities not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests vide number S.O. 1533 (E), dated the 14th September, 2006 and falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned Regulatory Authorities.
- (3) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Collector or the concerned Deputy Conservator of Forests shall be competent to file complaint under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986 against any person who contravenes the provisions of this notification.
- (4) The Monitoring Committee may invite representative or expert from concerned Department, representative from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on case to case basis.
- (5) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities for the period up to the 31st March of every year by the 30th June of that year to the Chief Wildlife Warden of the State in pro-forma specified in **Annexure-VI**, appended to this notification.
- (6) The Central Government may give such directions in writing, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

7. **Additional Measures:** The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

8. **Supreme Court, etc. orders.** The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or the National Green Tribunal.

#### ANNEXURE-I

#### **A: BOUNDARY DESCRIPTION OF ECO-SENSTIVE ZONE AROUND RUPI BHABA WILDLIFE SANCTUARY**

S.No.	Direction	Boundary Description
1.	<b>NORTH</b>	The Northern boundary of the proposed Eco-sensitive Zone starts from 77°46'45.896"E 31°46'07.388"N and upto 78°04'25.741"E 31°47'0.491"N. The Northern boundary of Rupi Bhaba Wildlife Sanctuary has important corridor/connectivity/ ecologically sensitive patches with Great Himalayan National Park and Pin Valley National Park on North and North Western side respectively.
2.	<b>EAST</b>	The Eastern boundary of the proposed Eco-sensitive zone starts from 78°6'6.322"E 31°42'46.943"N upto 78°6'34.099"E 31°36'36.953"N. Eastern sides of ESZ flanked with ESZ of Lippa – Asrang Wildlife Sanctuary and Katgaon Range of Kinnaur Territorial Forest Division.

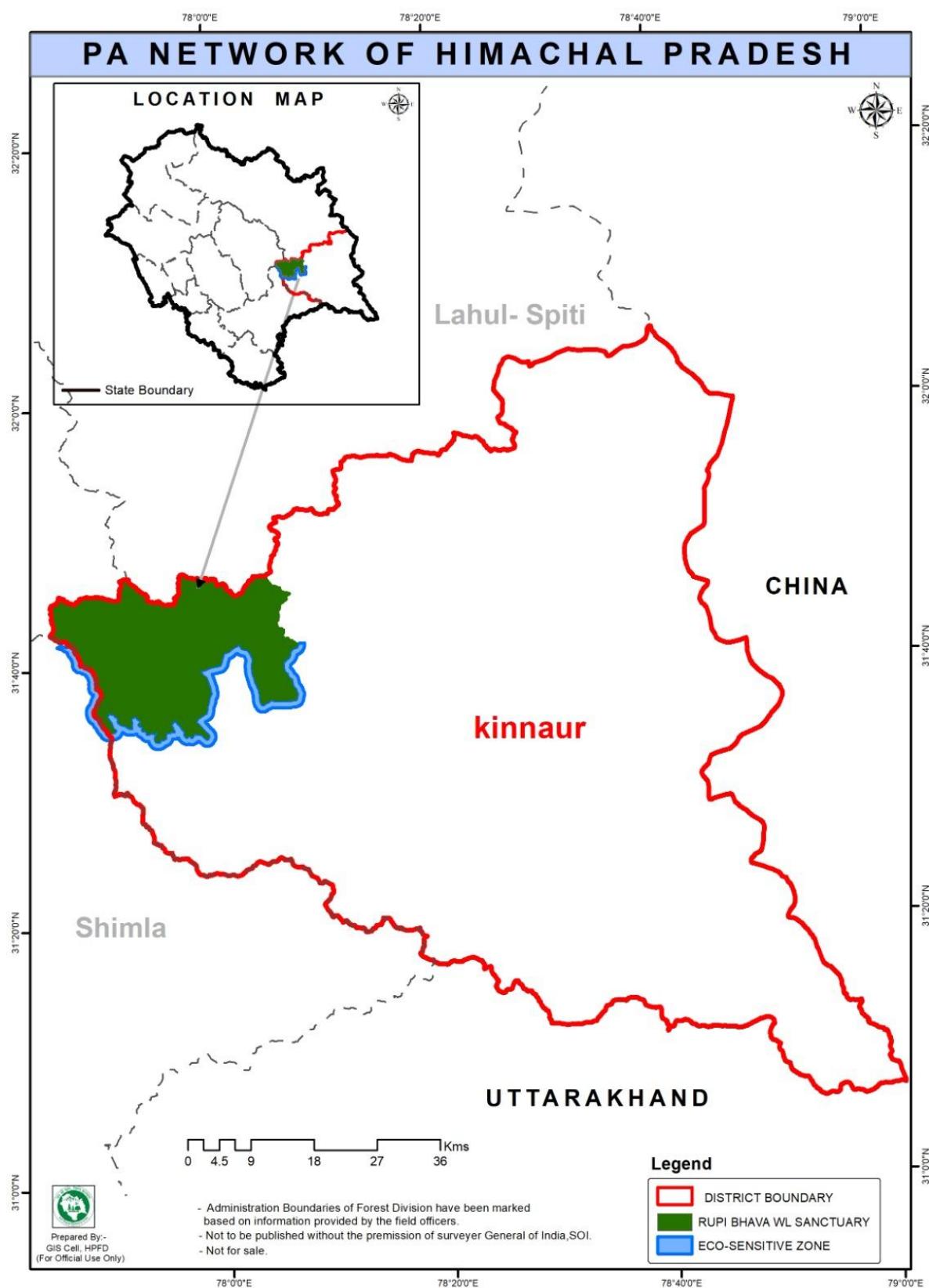
3.	<b>SOUTH</b>	The Southern boundary of the proposed Eco-sensitive zone starts from 77°57'44.039"E 31°34'24.429"N upto 77°52'2.616"E 31°35'16.183"N. Southern side of ESZ is Nichar Range of Kinnaur Territorial Forest Division.
4.	<b>WEST</b>	Starts from 77°45'9.77"E 31°44'10.864"N upto 77°49'52.904"E 31°35'12.306"N. Western side of ESZ is aligned with ESZ of Great Himalayan National Park and Sarahan Range of Rampur Territorial Forest Division

#### **B. LIST OF FORESTS (UPF) FALLING UNDER PROPOSED ECO-SENSITIVE ZONE**

The list of the UPF within area of suitable width of the boundary of Rupi-Bhaba WildLife Sanctuary in the Eco-sensitive Zone are as follows:

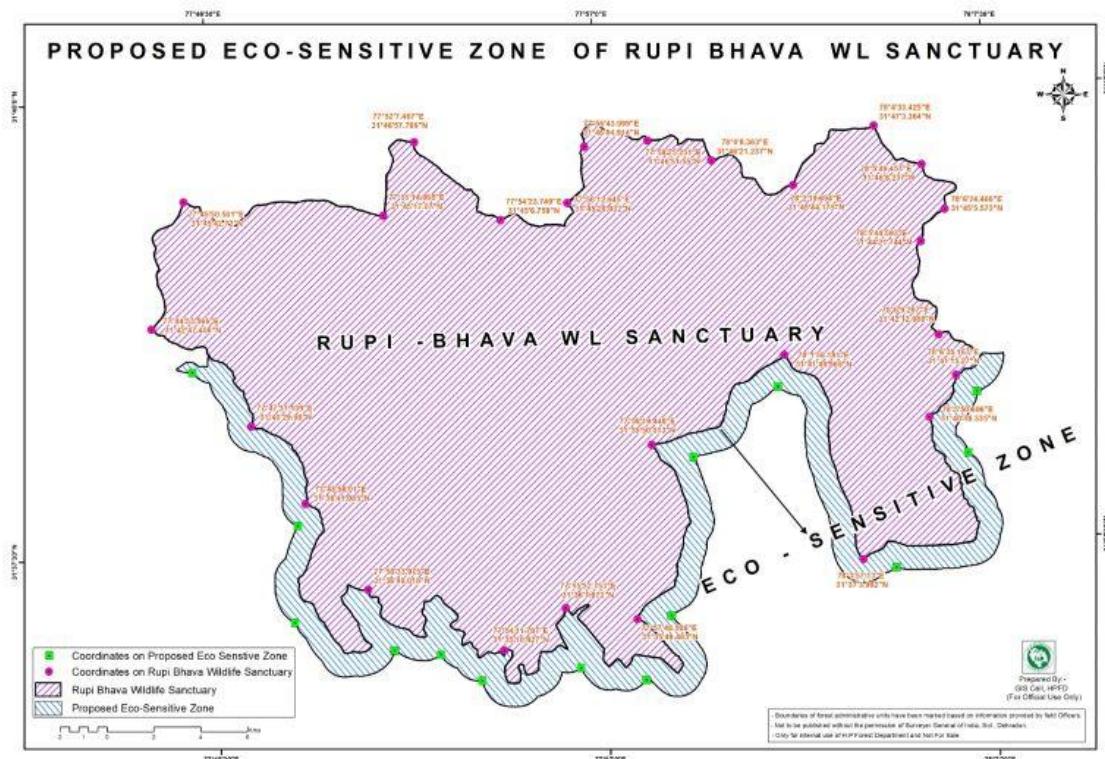
Sr.No.	Name of Division	Name of Range	Name of Beat	Name of Forest Compt.	Area
1	WL Division	Katgaon	Katgaon	C-88	242.00 ha.
	Sarahan			C-89	124.65 ha.
				C-91	400.00 ha.
				UF-29	300.00 ha.
				UF-28	200.00 ha.
				UF-27	200.00 ha.
				UF-30	150.00 ha.
				UF-31	420.00 ha.
				UF-32	220.00 ha.
				Un-classified pasture Land Urni Kanda	259.25 ha.
				Un-classified pasture Land Ulla Kanda	700.00 ha.
				Un-classified pasture Land Roghi Beat	431.00 ha.
				Un-classified pasture Land Pangi Beat	504.00 ha.
		Kandhar	C-92		100.00 ha.
				UF-26	200.00 ha.
				Nathpa	Otherland
				Salaring	OtherLand
	Bhaba nager	Chhota Kamba	UF-16		35.00 ha.
		Barakamba	UF-14		50.00 ha.
			UF-15		90.00 ha.
		DabblingBeat	C-98		27.00 ha.
			C-99		2.83 ha.
			UF-6		15.50 ha.
		Rupi	UF-1		50.00 ha.
			UF-2		17.50 ha.
			UF-4		15.00 ha.
	Sarahan	Koot	C-129		38.88 ha.
			C-130		135.27 ha.
			C-131		69.66 ha.
			C-132		122.31ha.
			C-133		81.04 ha.
			C-134		60.34 ha.
			C-135		42.32 ha.
			Unclassified pasture Land koot beat.		1550.00 ha.
			Total:-		7562 ha.

## Annexure-II A

**LOCATION MAP OF RUPI BHABHA WILDLIFE SANCTUARY**

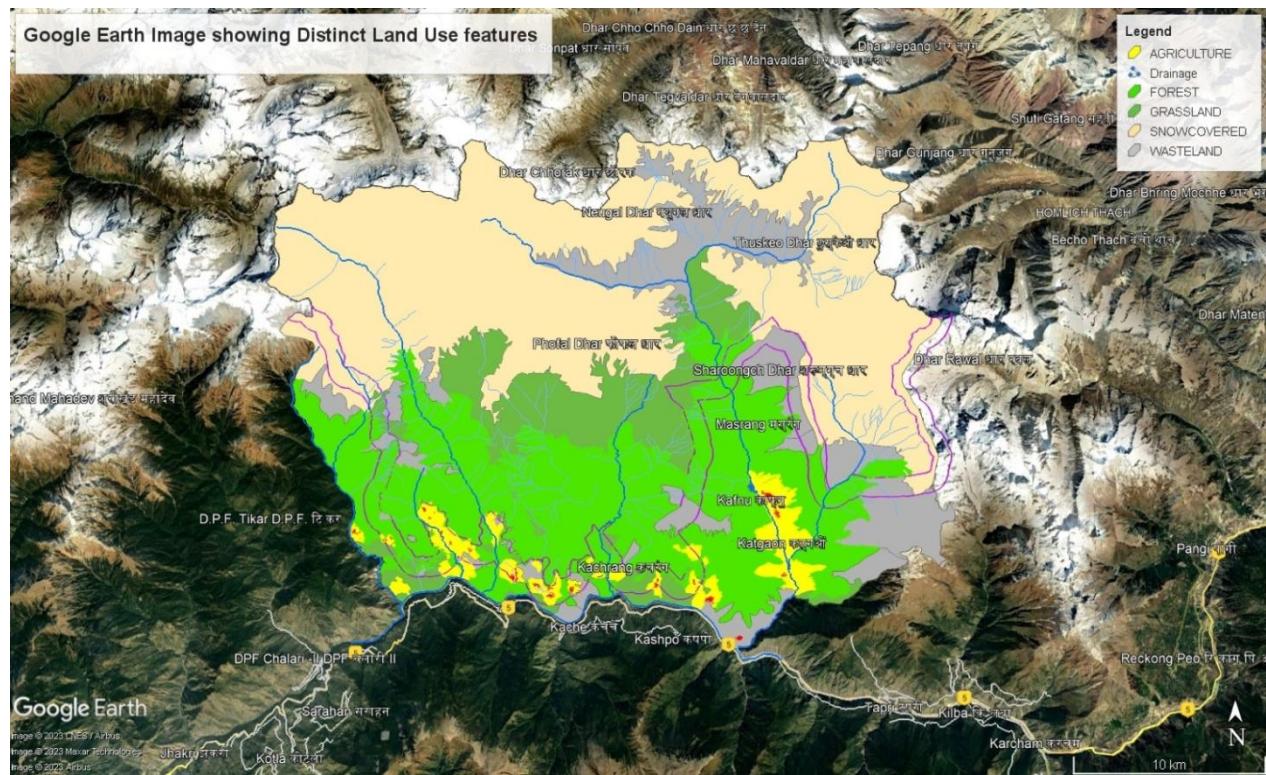
## **Annexure- II B**

## **MAP OF ECO SENSITIVE ZONE AROUND RUPI BHABHA WILDLIFE SANCTUARY**



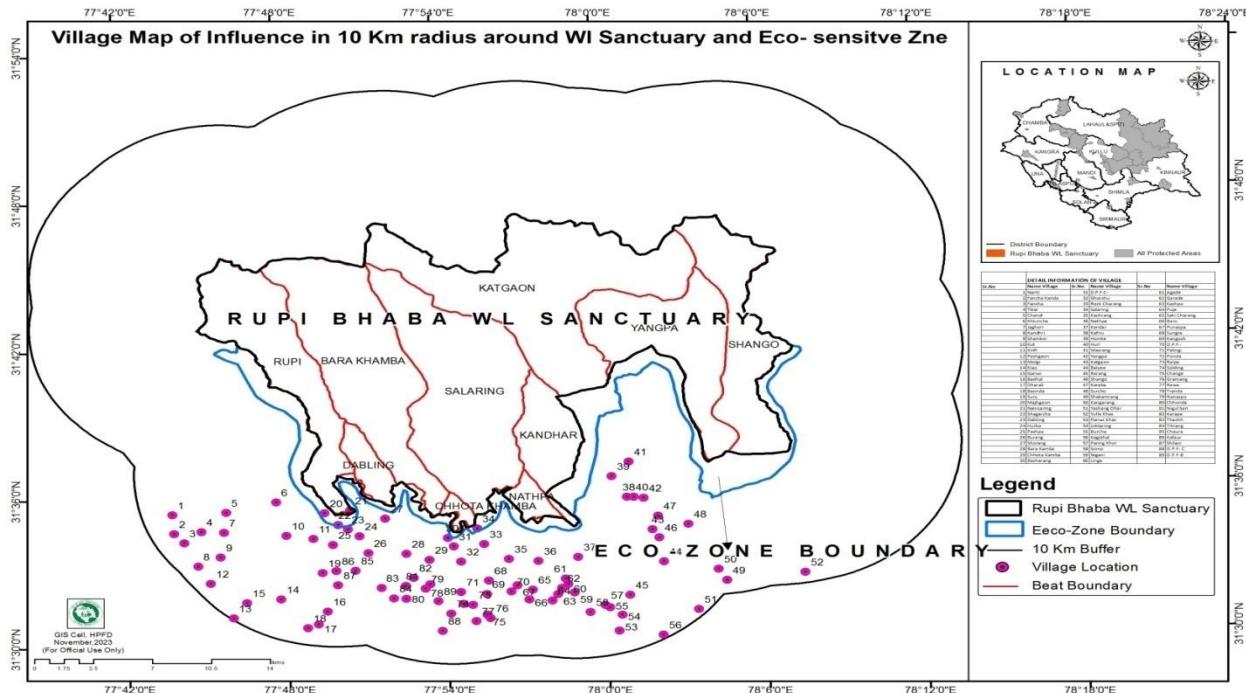
## **Annexure- II C**

## **LULC MAP OF ECO SENSITIVE ZONE AROUND RUPI BHABHA WILDLIFE SANCTUARY**



## Annexure- II D

**VILLAGE MAP WITHIN 10 KM RADIUS AROUND RUPI BHABA WILDLIFE SANCTUARY AND ITS ECO SENSITIVE ZONE**



## Annexure-III

**TABLE A: GEO COORDINATES OF THE IMPORTANT POINTS ON THE BOUNDARY AROUND RUPI BHABHA WILDLIFE SANCTUARY**

<b>Point</b>	<b>Longitude</b>	<b>Latitude</b>
1	77°44'53.556"	31°42'47.406"
2	77°47'31.139"	31°40'29.98"
3	77°48'56.01"	31°38'41.085"
4	77°50'33.975"	31°36'40.018"
5	77°54'11.707"	31°35'10.927"
6	77°55'52.753"	31°36'7.872"
7	77°57'48.506"	31°35'49.483"
8	77°58'19.448"	31°39'50.013"
9	78°1'58.181"	31°41'49.569"
10	78°3'57.13"	31°37'3.902"
11	78°5'50.606"	31°40'18.335"
12	78°6'35.167"	31°41'15.27"
13	78°6'9.267"	31°42'12.088"
14	78°5'44.593"	31°44'21.744"
15	78°6'24.466"	31°45'5.572"
16	78°5'49.457"	31°46'8.237"
17	78°4'33.425"	31°47'3.364"
18	78°2'19.694"	31°45'44.175"
19	78°0'8.363"	31°46'21.237"
20	77°58'25.251"	31°46'51.55"
21	77°56'43.099"	31°46'44.914"
22	77°56'12.945"	31°45'28.032"
23	77°54'23.749"	31°45'6.759"
24	77°52'7.467"	31°46'57.789"
25	77°51'14.068"	31°45'17.07"
26	77°45'50.501"	31°45'42.72"

**TABLE-B : GEO COORDINATES OF THE IMPORTANT POINTS ON THE ESZ  
BOUNDARY OF RUPI BHABHA WILDLIFE SANCTUARY**

Point	Longitude	Latitude
1	77°48'42.519"	31°38'10.601"
2	77°48'34.212"	31°35'56.958"
3	77°51'13.91"	31°35'14.971"
4	77°52'28.726"	31°35'7.925"
5	77°53'34.531"	31°34'30.118"
6	77°56'15.277"	31°34'44.067"
7	77°58'0.823"	31°34'24.992"
8	77°58'43.886"	31°35'53.438"
9	77°59'26.349"	31°39'31.684"
10	78°1'46.325"	31°41'5.884"
11	78°4'50.434"	31°36'51.49"
12	78°6'51.257"	31°39'27.559"
13	78°7'8.563"	31°40'52.091"

**Annexure-IV**

**LIST OF VILLAGES FALLING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE**

S.N.	Village	Tehsil	District	GPS Co-ordinates
1	Kandar	Nichar	Kinnaur	31°34'28.52"N, 77°59'18.00"E
2.	Kacharang			31°34'38.12"N, 77°56'37.50"E
3.	Nathapa			31°34'25.49"N, 77°58'2.25"E
4.	Rockcharang			31°34'47.32"N, 77°56'0.71"E
5.	Salaring			31°35'49.33"N, 77°55'52.44"E
6.	Gurguri			31°36'28.77"N, 77°50'27.15"E
7.	Majhgaon			31°36'18.64"N, 77°50'17.42"E
8.	Naling			31°36'12.10"N, 77°50'27.46"E
9.	Shigarcha			31°35'55.99"N, 77°50'39.24"E
10.	Huruwa			31°35'36.54"N, 77°50'59.56"E
11.	BadaKhamba			31°34'36.66"N, 77°53'12.88"E
12.	Shorang			31°35'58.38"N, 77°52'30.89"E
13.	Gharashu			31°34'19.04"N, 77°55'9.09"E
14.	ChhotaKhamba			31°34'9.42"N, 77°54'26.52"

## List of Major Flora in the PA

### Herbs

S.No.	Scientific name	Local name
1.	<i>Aconitum heterophyllum</i>	Patish, mohra
2.	<i>Agrimonia eupatorium</i>	Kanaula
3.	<i>Asparagus filicinus</i>	Sahasimuli
4.	<i>Cannabis sativa</i>	Bhang
5.	<i>Carum carvi</i>	Zira
6.	<i>Chenopodium album</i>	Dankhar
7.	<i>Datura stramonium</i>	Datura
8.	<i>Delphinium nududatum</i>	Nirvisi
9.	<i>Dipasacus inermis</i>	Tori
10.	<i>Foeniculum vulzare</i>	Saunf
11.	<i>Gentiana kurroo</i>	Karu
12.	<i>Geranium nepalense</i>	Tirrahani
13.	<i>Gerbera lanuginosa</i>	Kopra
14.	<i>Gerardiana heterophylla</i>	Bechhubuti
15.	<i>Halenia elliptica</i>	Pitpara
16.	<i>Jurinea macrocephalla</i>	Dhup
17.	<i>Mentha sylvestris</i>	Podina
18.	<i>Polygonatum verticillatum</i>	Salam mishri
19.	<i>Polygonum alatum</i>	Molora
20.	<i>Primula denticulta</i>	Hanatigoo
21.	<i>Salvia glutinosa</i>	Gwadra
22.	<i>Saussurea lappa</i>	Kuth
23.	<i>Strobilanthus dalhousiams</i>	Mashian
24.	<i>Swerita chirata</i>	Charaita
25.	<i>Tanacetum longifolium</i>	Bhutkesi
26.	<i>Thalictrum prndiculatum</i>	Mamiri
27.	<i>Thalictrum neurocarpum</i>	Barmot
28.	<i>Valeriana haedwickii</i>	Nakh
29.	<i>Valeriana wallichii</i>	Mushkbala
30.	<i>Viola serpens</i>	Banafsha

### Shrub

S.No.	Scientific name	Local Name
1.	<i>Aristemisia roxburghiana</i>	Seski
2.	<i>Berberis chitria</i>	Chutram
3.	<i>Bosiaam herstiana</i>	Khasbar
4.	<i>Colebrookia oppositifolia</i>	Bhamber
5.	<i>Caragana brevispina</i>	Shameh
6.	<i>Coriaria nepalensis</i>	Masuri
7.	<i>Cotoneaster bacillaris</i>	Raonsh
8.	<i>Crataegus oxyacantha</i>	Bat sagli
9.	<i>Daphne papyracea</i>	Gandiri
10.	<i>Desmodium samuense</i>	Safedkathi
11.	<i>Elsholtzia polystachya</i>	Pothijaunkara
12.	<i>Flemingia fruticulosa</i>	Chopru
13.	<i>Indigofera hebepepetala</i>	Kastiarang

14.	<i>Juniperus recurva</i>	Guggal
15.	<i>Jasminum humile</i>	Chameli
16.	<i>Loranthus elatus</i>	Banda
17.	<i>Lonicera angustifolia</i>	Pirlu
18.	<i>Plectranthus coesta</i>	Bangra
19.	<i>Rhussemi alara</i>	titar
20.	<i>Rhododendron campanulatum</i>	Sirmang
21.	<i>Salix hastata</i>	Buins
22.	<i>Skimmia laureola</i>	Shuru
23.	<i>Spiraea canescens</i>	Takol
24.	<i>Staphylea emodi</i>	Nag Duan
25.	<i>Woodfordia floribunda</i>	Dhan

## Trees

S.No.	Scientific Name	Local/Common Name
1.	<i>Pinus roxburghii</i>	Chir pine
2.	<i>Pinus wallichiana</i>	Blue pine, Kail
3.	<i>Abies pindrow</i>	Silver fir, Tosh
4.	<i>Abies spectabilis</i>	Silver fir, Tosh, sapan
5.	<i>Cedrus deodara</i>	Deodar
6.	<i>Picea smithiana</i>	Spruce, Rai
7.	<i>Taxus baccata</i>	Common Yew, Rakhal
8.	<i>Quercus leucotrichophora</i>	Ban oak
9.	<i>Quercus glauca</i>	Bani oak
10.	<i>Quercus floribunda</i>	Moru oak
11.	<i>Quercus semecarpifolia</i>	Kahrsu oak
12	<i>Alnus nitida</i>	Alder, Kunes, Kosh
13.	<i>Betula alnoides</i>	Kathbhoj
14.	<i>Betula utilis</i>	Birch, Bhoj
15.	<i>Julgans regia</i>	Walnut, akhrit
16.	<i>Ulmus wallichiana</i>	Maldung
17.	<i>Symplocos paniculata</i>	Lodh
18.	<i>Prunus cerasoides</i>	Panja
19.	<i>Prunus armeniaca</i>	Chulli
20.	<i>Prunus persica</i>	Reg, Baimi
21.	<i>Prunus cornuta</i>	Him. Bird-Cherry, Jamun
22.	<i>Pyrus pashia</i>	Shagal
23.	<i>Acer acuminatum</i>	Manderang, unn

24.	<i>Acer caesium</i>	Him. Maple, Chirandru, Manderang
25.	<i>Acer sterculiaceum</i>	Unn, Kanjal
26.	<i>Acer cappadocicum</i>	Unn, Knajal
27.	<i>Aesculus indica</i>	Him. Horse chestnut, JungliKhanor
28.	<i>Rhododendron arboreum</i>	Baras

## Annexure-V

**LIST OF FLORA AND FAUNA PRESENT IN THE RUPI BHABHA WILDLIFE SANCTUARY****Herbs**

S.No.	Scientific name	Local name
1.	<i>Aconitum heterophyllum</i>	Patish, mohra
2.	<i>Agrimonia eupatorium</i>	Kanaula
3.	<i>Asparagus filicinus</i>	Sahasimuli
4.	<i>Cannabis sativa</i>	Bhang
5.	<i>Carum carvi</i>	Zira
6.	<i>Chenopodium album</i>	Dankhar
7.	<i>Datura stramonium</i>	Datura
8.	<i>Delphinium nududatum</i>	Nirvisi
9.	<i>Dipasacus inermis</i>	Tori
10.	<i>Foeniculum vulzare</i>	Saunf
11.	<i>Gentiana kurroo</i>	Karu
12.	<i>Geranium nepalense</i>	Tirrahani
13.	<i>Gerbera lanuginosa</i>	Kopra
14.	<i>Gerardiana heterophylla</i>	Bechhubuti
15.	<i>Halenia elliptica</i>	Pitpara
16.	<i>Jurinea macrocephalla</i>	Dhup
17.	<i>Mentha sylvestris</i>	Podina
18.	<i>Polygonatum verticillatum</i>	Salam mishri
19.	<i>Polygonum alatum</i>	Molora
20.	<i>Primula denticulta</i>	Hanatigoo
21.	<i>Salvia glutinosa</i>	Gwadra
22.	<i>Saussurea lappa</i>	Kuth
23.	<i>Strobilanthes dalhousiams</i>	Mashian
24.	<i>Swerita chirata</i>	Charaita
25.	<i>Tanacetum longifolium</i>	Bhutkesi
26.	<i>Thalictrum prnduculatum</i>	Mamiri
27.	<i>Thalictrum neurocarpum</i>	Barmot
28.	<i>Valeriana haedwickii</i>	Nakh
29.	<i>Valeriana wallichii</i>	Mushkbala
30.	<i>Viola serpens</i>	Banafsha

**Shrub**

S.No.	Scientific name	Local Name
1.	<i>Aristemisia roxburghiana</i>	Seski
2.	<i>Berberis chitria</i>	Chutram
3.	<i>Bosiaam herstiana</i>	Khasbar
4.	<i>Colebrookia oppositifolia</i>	Bhamber
5.	<i>Caragana brevispina</i>	Shameh
6.	<i>Coriaria nepalensis</i>	Masuri
7.	<i>Cotoneaster bacillaris</i>	Raonsh
8.	<i>Crataegus oxyacantha</i>	Bat sagli
9.	<i>Daphne papyracea</i>	Gandiri
10.	<i>Desmodium samuense</i>	Safedkathi
11.	<i>Elsholtzia polystachya</i>	Pothijaunkara
12.	<i>Flemingia fruticulosa</i>	Chopru
13.	<i>Indigofera hebeptala</i>	Kastiarang
14.	<i>Juniperus recurva</i>	Guggal
15.	<i>Jasminum humile</i>	Chameli
16.	<i>Loranthus elatus</i>	Banda
17.	<i>Lonicera angustifolia</i>	Pirlu
18.	<i>Plectranthus coesta</i>	Bangra
19.	<i>Rhus semi alara</i>	titar
20.	<i>Rhododendron campanulatum</i>	Sirmang
21.	<i>Salix hastata</i>	Buins
22.	<i>Skimmia laureola</i>	Shuru
23.	<i>Spiraea canescens</i>	Takol
24.	<i>Staphylea emodi</i>	Nag Duan
25.	<i>Woodfordia floribunda</i>	Dhan

**Trees**

S.No.	Scientific Name	Local/Common Name
1.	<i>Pinus roxburghii</i>	Chir pine
2.	<i>Pinus wallichiana</i>	Blue pine, Kail
3.	<i>Abies pindrow</i>	Silver fir, Tosh
4.	<i>Abies spectabilis</i>	Silver fir, Tosh, sapan
5.	<i>Cedrus deodara</i>	Deodar
6.	<i>Picea smithiana</i>	Spruce, Rai
7.	<i>Taxus baccata</i>	Common Yew, Rakhal
8.	<i>Quercus leucotrichophora</i>	Ban oak
9.	<i>Quercus glauca</i>	Bani oak

10.	<i>Quercus floribunda</i>	Moru oak
11.	<i>Quercus semecarpifolia</i>	Kahrsu oak
12	<i>Alnus nitida</i>	Alder, Kunees, Kosh
13.	<i>Betula alnoides</i>	Kathbhoj
14.	<i>Betula utilis</i>	Birch, Bhoj
15.	<i>Juglans regia</i>	Walnut, akhrit
16.	<i>Ulmus wallichiana</i>	Maldung
17.	<i>Symplocos paniculata</i>	Lodh
18.	<i>Prunus cerasoides</i>	Panja
19.	<i>Prunus armeniaca</i>	Chulli
20.	<i>Prunus persica</i>	Reg, Baimi
21.	<i>Prunus cornuta</i>	Him. Bird-Cherry, Jamun
22.	<i>Pyrus pashia</i>	Shagal
23.	<i>Acer acuminatum</i>	Manderang, unn
24.	<i>Acer caesium</i>	Him. Maple, Chirandru, Manderang
25.	<i>Acer sterculiaceum</i>	Unn, Kanjal
26.	<i>Acer cappadocicum</i>	Unn, Knajal
27.	<i>Aesculus indica</i>	Him. Horse chestnut, Jungli Khanor
28.	<i>Rhododendron arboreum</i>	Baras

#### List of Major Fauna in the PA

S.No	Common Name	Scientific Name
1.	Himalayan Water Shrew	<i>Chimarrogale himalayica</i>
2.	Hodgson's Brown-toothed shrew	<i>Soriculus caudatus</i>
3.	Horsfield's Shrew	<i>Crocidura horsfieldii</i>
4.	Greater Horseshoe Bat	<i>Rhinolophus ferrumequinum</i>
5.	Great Himalayan Leaf-nosed Bat	<i>Hipposideros armiger</i>
6.	Hodgson's Bat	<i>Myotis formosus</i>
7.	Rhesus Macaque	<i>Macaca mulatta</i>
8.	Common Langur	<i>Semnopithecus entellus</i>
9.	Common Leopard	<i>Panthera pardus</i>
10.	Snow Leopard	<i>Uncia uncia</i>
11.	Jungle Cat	<i>Felis chaus</i>
12.	Leopard Cat	<i>Prionailurus bengalensis</i>
13.	Himalayan Palm Civet	<i>Paguma larvata</i>
14.	Common Indian Mongoose	<i>Herpestes edwardsii</i>
15.	Stone Marten	<i>Martes foina</i>
16.	Yellow Throated Marten	<i>Martes flavigula</i>
17.	Pale Weasel	<i>Mustela altaica</i>

18.	Himlayan Weasel	<i>Mustela sibirica</i>
19.	Yellow -Billied Weasel	<i>Mustela kathiah</i>
20.	Red Fox	<i>Vulpes vulpes</i>
21.	Himlayan Brown Bear	<i>Ursus arctos</i>
22.	Asiatic Black Bear	<i>Ursus thibetanus</i>
23.	Himalayan Musk Deer	<i>Moschus chrysogaster</i>
24.	Ghoral	<i>Naemorhedus goral</i>
25.	Himlayan Serow	<i>Naemorhedus thar</i>
26.	Himlayan Tahr	<i>Hemitragus jemlahicus</i>
27.	Asiatic Ibex	<i>Capra ibex</i>
28.	Blue Sheep(Bharal)	<i>Pseudois nayaur</i>
29.	Red Gaint Flying Squirrel	<i>Petaurista petaurista</i>
30.	Small Kashmir Flying Squirrel	<i>Hylopetes fimbriatus</i>
31.	House Rat	<i>Rattus rattus</i>
32.	Turkestan Rat	<i>Rattus turkestanicus</i>
33.	Chest nut Rat	<i>Niviventer fulvescens</i>
34.	White-bellied Rat	<i>Niviventer niviventer</i>
35.	Indian Crested Porcupine	<i>Hystrix indica</i>
36.	Royle'sPika	<i>Ochotona roylei</i>
37.	Large-eared Pika	<i>Ochotona macrotis</i>

**List of Important Birds in the PA (s)**

S. No.	Name of the Bird	Scientific Name
1	Western Tragopan	<i>Tragopan melanocephalus</i>
2	Koklass Pheasant	<i>Pucrasia macrolopha</i>
3	Himalayan Monal	<i>Lophophorus impejanus</i>
4	Kalij Pheasant	<i>Lophura leucomelanos</i>
5	Chukar partridges	<i>Alectoris chukar</i>
6	Himalayan Snowcock	<i>Tetraogallus himalayensis</i>
7	Lammergeier	<i>Gypaetus barbatus</i>
8	Himalayan Griffon Vulture	<i>Gyps himalayensis</i>
9	Golden Eagle	<i>Aquila chrysaetos</i>
10	Eurasian Sparrowhawk	<i>Accipiter nisus</i>
11	Himalayan Buzzard	<i>Buteo efectus</i>
12	Common kestrel	<i>Falco tinnunculus</i>
13	Oriental turtle Dove	<i>Streptopelia orientalis</i>
14	Snow Pigeon	<i>Columba leuconota</i>
15	Mountain Scops Owls	<i>Otus pilocephalus</i>
16	Asian barred Owlet	<i>Glaucidium cuculoides</i>

17	Himalayan Swiftlet	<i>Aerodramus brevirostris</i>
18	Himalayan Woodpecker	<i>Dendrocopos himalayensis</i>
19	Scaly-belled Woodpecker	<i>Picus squamatus</i>
20	Spotted Nutcracker	<i>Nucifraga caryocatactes</i>
21	Coal tit	<i>Periparus ater</i>
22	Black and yellow Grosbeak	<i>Mycero basicterioides</i>
23	Brownish flanked Bush Warbler	<i>Horornis fortipes</i>
24	Grey headed canary Flycatcher	<i>Culicic apaceylonensis</i>
25	Long-billed Thrush	<i>Zoothera monticola</i>
26	Common Rosefinch	<i>Carpodacus erythrinus</i>
27	Red headed Bullfinch	<i>Pyrrhula erythrocephala</i>
28	Fire fronted Serin	<i>Serinus pusillus</i>
29	Plain Mountain finch	<i>Leucosticte nemoricola</i>
30	Rock bunting	<i>Emberiza cia</i>

#### List of the other important species (Butterfly, insects, reptiles etc) in the PA

##### Amphibians

1. Himalayan Toad *(Duttaphrynus himalayanus)*
2. Beautiful torrent frog *(Amolops formosus)*
3. Stoliczka's frog *(Paa vicina)*

##### Reptiles

1. Kashmir rock Agama *(Laudakia tuberculata)*
2. Himalayan Ground Skink *(Asymblepharus himalayanus)*
3. Ice Field Skink *(Asymblepharus ladacensis)*
4. Himalayan Keelback *(Amphiesma platyceps)*
5. Himalayan Pit viper *(Gloydius himalayanus)*

##### Invertebrates

There is no document or information available on invertebrate fauna of Rupi-Bhabha WLS, and it is presumably similar to other part of Western Himalayas

##### List of endemic species

##### Plants

1. Deodar *Cedrus deodara*
2. Kail *Pinus wallichiana*
3. Chir Pine *Pinus roxburghii*
4. Khanor (Chestnut) *Aesculus hippocastranum*
5. Rhododendron *Rhododendron sps.*

##### Mammals

1. Himalayan Goral (*Naemorhedus goral*): The Himalayan Goral is a small ungulate species that inhabits the mountainous regions of the western Himalayas, including parts of Himachal Pradesh.
2. Himalayan Blue Sheep (*Pseudois nayaur*): Also known as Bharal or Himalayan Blue Sheep, this species is endemic to the Himalayan region and can be found in parts of Himachal Pradesh.

**Birds**

1. Himalayan Snowcock (*Tetraogallus himalayensis*): This large game bird is endemic to the western Himalayas and can be found in rocky and alpine habitats, including parts of Himachal Pradesh.
2. Himalayan Quail (*Ophrysia superciliosa*): This elusive and critically endangered bird species is endemic to the western Himalayas, including parts of Himachal Pradesh. It prefers dense grasslands and shrubby habitats.
3. Himalayan Monal (*Lophophorus impejanus*): The Himalayan Monal is a colorful pheasant species endemic to the western Himalayas, including parts of Himachal Pradesh. It inhabits forests and alpine meadows.

**List of RET Species**

1. Himalayan Brown Bear (*Ursus arctosisabellinus*): Vulnerable
2. Himalayan Monal (*Lophophorus impejanus*): Vulnerable
3. Asiatic Black Bear (*Ursus thibetanus*): Vulnerable
4. Himalayan Musk Deer (*Moschus chrysogaster*): Endangered
5. Himalayan Tahr (*Hemitragus jemlahicus*): Near Threatened

**Annexure-VI****Performa of Action Taken Report**

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.

[F. No. 25/194/2015/ESZ-RE]

Dr. S. KERKETTA, Scientist "G"